

# महाराष्ट्र शासन राजपत्र भाग एक–नाशिक विभागीय पुरवणी

वर्ष - १०, अंक - २३ ]

गुरुवार ते बुधवार, जून १० - १६, २०२१ / ज्येष्ठ २० - २६, शके १९४३

[ पृष्ठे २०

### प्राधिकृत प्रकाशन

## संकीर्ण अधिसूचना, नेमणुका, पदोन्नती इत्यादी

### उपविभागीय दंडाधिकारी यांजकडून

वाचले. - फौजदारी प्रक्रिया संहिता, १९७३ चे कलम १७४ अन्वये

### जाहीर नोटिस

क्रमांक दंडप्र/कावि-३५५/२०२१.— ज्याअर्थी, सोबतच्या यादीतील इसम क्रमांक १ ते ३२ हे त्यांचे नावासमोर दर्शविलेल्या कारणामुळे मयत झाले असून त्याप्रमाणे अकस्मात मृत्यू समरी मंजूर होऊन मिळणेबाबत उपविभागीय पोलीस अधिकारी, पाचोरा भाग, पाचोरा यांनी फौजदारी प्रक्रिया संहिता, १९७३ चे कलम १७४ अन्वये या कार्यालयाकडे अहवाल सादर केला आहे. खालील यादीतील इसम यांचे नावासमोर नमूद केलेल्या मृत्यूच्या कारणांखेरीज त्यांचा मृत्यू इतर कारणांमुळे झालेला आहे अगर कसे ? अशा संबंधात कोणाची काही तक्रार असल्यास त्यांनी ही नोटिस महाराष्ट्र शासन राजपत्रात प्रसिद्ध झालेपासून ३० दिवसांचे आत मा. उपविभागीय दंडाधिकारी, पाचोरा उपविभाग, पाचोरा, जिल्हा जळगाव यांचेकडे लेखी तक्रार करावी.

वरील मुदतीत कोणतीही तक्रार आली नाही तर उपविभागीय पोलीस अधिकारी, पाचोरा उपविभाग, पाचोरा, जिल्हा जळगाव यांनी सादर केल्याप्रमाणे यादीत नमूद केलेल्या इसमांचे अकस्मात मृत्यू समरी मंजूर करणेत येईल.

### पाचोरा पोलीस ठाणे

### परिशिष्ट

| अ.   | मयताचे नाव             | वय         | पत्ता  | मृत्यूचे कारण   | अ.मृ.र.नं. | मयत दिनांक |
|------|------------------------|------------|--|---|------------|------------|
| क्र. |                        | (वर्षे)    |  |   |            |            |
| 9    | २                      | 3          | 8  | ч   | ξ          | 0          |
| 9    | गजानन दत्तू सोनवणे     | <b>3</b> 2 | बनोटी, तालुका सोयगाव,<br>जिल्हा औरंगाबाद.      | चाराकुट्टी मशीनचा भोंगा तूटून<br>त्यात झालेल्या गंभीर दुखापतीमुळे<br>मयत. | १०६/२०     | 99-92-2020 |
| ર    | साहेबराव लक्ष्मण खेडकर | ६७         | श्रीकृष्ण रेसीडेन्सी, पाचोरा,<br>जिल्हा जळगाव. | हृदयविकाराच्या झटक्याने मयत   | o9/२9      | ०५-०१-२०२१ |

### परिशिष्ट — चालू

| अ.   | मयताचे नाव                             | वय           | पत्ता   | मृत्यूचे कारण  | अ.मृ.र.नं.    | मयत दिनांक |
|------|--|--------------|---|--|---------------|------------|
| क्र. |  | (वर्षे)      |   |  |               |            |
| 9    | 2                                      | 3            | 8   | ч  | ξ             | (9         |
| 3    | भगवान रामदास पाटील                     | 4८           | भोरटेक खु., तालुका पाचोरा,<br>जिल्हा जळगाव.   | पाण्यात बुङ्न मयत  | ८०/२०         | 99-09-2020 |
| 8    | मधुकर महादू सुतार                      | ξo           | गोराडखेडा, तालुका पाचोरा,<br>जिल्हा जळगाव.    | हृदयविकाराच्या झटक्याने<br>मयत.  | 900/२0        | २३-११-२०२० |
| ዓ    | रघुनाथ पंढरीनाथ गायकवाङ                | ५५           | खेडगाव नंदीचे,<br>तालुका पाचोरा.              | हृदयपेशी निकामी होऊन   | 990/9८        | 90-90-209८ |
| ξ    | संदीप मधुकर कोतकर                      | 80           | मिलींदनगर, पाचोरा,<br>जिल्हा जळगाव.           | गळफास घेऊन   | ७०/२०         | २०-८-२०२०  |
| (9   | जगदीप वसंत पवार                        | 80           | शिवाजीनगर, पाचोरा,<br>जिल्हा जळगाव.           | हृदयविकाराने मयत   | ४८/२०         | 03-00-2020 |
| ۷    | संजय उदयसिंग राजपूत                    | 48           | पाचोरा, जिल्हा जळगाव                          | हृदविकाराने तसेच कोरोना<br>विषाणू लागणामुळे मयत.                                   | <u>4</u> ७/२० | २९-०७-२०२० |
| 9    | अनोळखी पुरूष                           | अंदाजे<br>४० |   | धावत्या रेल्वेची धडक लागून<br>कापला जाऊन शरीरास झालेल्या<br>गंभीर दुखापतीमुळे मयत. | ८८/२०         | 02-99-2020 |
| 90   | चतरसिंग नारायणसिंग<br>गोरताळ (परदेशी). | 40           | इंदिरानगर, पाचोरा,<br>जिल्हा जळगाव.           | इलेक्ट्रीक शॉक लागून मयत   | <b>९</b> ४/२० | 99-99-२०२० |
| 99   | देवानंद लालचंद तेली                    | २३           | खडकदेवळा खु.,<br>तालुका पाचोरा.               | सर्पदंशाने मयत   | ९२/२०         | 00-99-2020 |
| 9२   | बापू धुडकू पाटील                       | ५५           | ओझर, तालुका पाचोरा,<br>जिल्हा जळगाव.          | दारूच्या नशेत विषारी औषध<br>सेवन करून मयत.   | २८/१९         | २४-०४-२०१९ |
| 93   | गोविंदा तोताराम पाटील                  | 84           | परधाडे, तालुका पाचोरा,<br>जिल्हा जळगाव.       | हृदविकाराच्या झटक्याने   | 993/99        | १६-११-२०१९ |
| 98   | मंगलाबाई राजधर सुर्यवंशी               | ५५           | तारखेडा खु., तालुका पाचोरा,<br>जिल्हा जळगाव.  | रेल्वे अपघातात डोक्यास गंभीर<br>दुखापत होऊन मयत.                                   | ८४/२०         | २३-१०-२०२० |
| 94   | प्रविण नेताजी पाटील                    | २७           | चिंचखेडा खु., तालुका<br>पाचोरा, जिल्हा जळगाव. | विषारी औषध सेवन करून मयत   | 90७/२०        | ०८-१२-२०२० |
| 9६   | सतिष श्रावण पाटील                      | 30           | म्हसास, तालुका पाचोरा                         | विषारी औषध सेवन करून मयत   | २४/२०         | 09-09-2020 |
| 90   | ईश्वर उर्फ महेंद्र शंकर माळी           | 23           | भोजे, तालुका पाचोरा,<br>जिल्हा जळगाव.         | विषारी औषध सेवन करून मयत   | २५/२०         | 90-09-2020 |
| 9८   | अशोक जगन्नाथ सोनार                     | ξo           | पाचोरा, जिल्हा जळगाव                          | हृदयविकाराने मयत   | ०८/२१         | २१-०१-२०२१ |
| १९   | भगवान दामू पाटील                       | ५२           | अंतुर्ली खु., तालुका पाचोरा,<br>जिल्हा जळगाव. | लिव्हर खराब होऊन मयत   | 9७/२०         | 9२-०२-२०२० |
| २०   | संदेश रविंद्र कोळी                     | २०           | वडगाव, तालुका पाचोरा,<br>जिल्हा जळगाव.        | विषारी औषध सेवन करून मयत   | १०८/२०        | 98-92-2020 |

| _ | $\sim$ | $\sim$ |     |   |    |   |
|---|--------|--------|-----|---|----|---|
| प | ₹      | 9      | ष्ट | _ | चा | d |

| अ.         | मयताचे नाव  | वय       | पत्ता   | मृत्यूचे कारण                                      | अ.मृ.र.नं.    | मयत दिनांक     |
|------------|---|----------|---|--|---------------|----------------|
| क्र.       |   | (वर्षे)  |   |  |               |                |
| 9          | 2   | 3        | 8   | ч  | Ę             | Ø              |
|            |   |          | पिंपळगाव हरे. पोल                                 | ीस स्टेशन  |               |                |
| २१         | विकास उखा इंगळे (कोळी)                                | 80       | लोहारा, तालुका पाचोरा,<br>जिल्हा जळगाव.           | नाल्याच्या पाण्यात बुडून मयत                       | <b>३</b> 9/२० | २५-०१-२०२०     |
| २२         | आरती ज्ञानेश्वर पाटील                                 | 90       | खेडगाव नं., तालुका पाचोरा,<br>जिल्हा जळगाव.       | इलेक्ट्रीक शॉक लागून मयत                           | २६/२०         | २९-०८-२०२०     |
| २३         | नितीन सुभाष बडगुजर                                    | 34       | लोहारी, तालुका पाचोरा,<br>जिल्हा जळगाव.           | गळफास घेऊन मयत                                     | 9२/२9         | 00-03-2029     |
| 28         | कैलास जगन्नाथ चौधरी                                   | ५५       | म्हसास, तालुका पाचोरा,<br>जिल्हा जळगाव.           | दारूच्या नशेत विषारी औषध<br>सेवन करून मयत.         | ०६/२१         | ०५-०२-२०२१     |
| રપ         | आधार गणसिंग पाटील                                     | ξo       | मोहाडी, तालुका पाचोरा,<br>जिल्हा जळगाव.           | विषारी ओषध सेवन करून मयत                           | ०१/२१         | 0२-09-२०२9     |
| २६         | गोपाल भिमराव क्षिरसागर                                | ર૪       | लोहारा, तालुका पाचोरा,<br>जिल्हा जळगाव.           | गळफास घेऊन मयत                                     | o७/२१         | 00-02-2029     |
| <b>२</b> ७ | अशोक फत्रू तडवी                                       | 43       | सातगाव डोंगरी,<br>तालुका पाचोरा,<br>जिल्हा जळगाव. | गळफास घेऊन मयत                                     | २९/२०         | २६-१०-२०२०     |
| २८         | कविता संजय पाटील<br>चंद्रकला उर्फ आशा<br>गजानन पाटील. | ३८<br>२७ | म्हसास, तालुका पाचोरा,<br>जिल्हा जळगाव.           | विहीरीच्या पाण्यात पडून बडून<br>मयत.               | <b>२३/२</b> ० | ०८-०९-२०२०     |
| २९         | पंडीत गोविंदा जगताप                                   | 39       | सातगाव डोंगरी,<br>तालुका पाचोरा,<br>जिल्हा जळगाव. | गळफास घेऊन मयत                                     | <b>३</b> 9/२० | 99-99-२०२०     |
| 30         | संतोष धना खडके  | (90      | सातगाव डोंगरी,<br>तालुका पाचोरा,<br>जिल्हा जळगाव. | विषारी औषध सेवन करून मयत                           | <b>३०/२०</b>  | २३-०६-२०२०     |
| 39         | सुरेश चिंधू पाटील                                     | ξo       | पिंपळगाव हरे,<br>तालुका पाचोरा,<br>जिल्हा जळगाव.  | विषारी औषध सेवन करून मयत                           | २१/२०         | 08-00-2020     |
| 32         | राधेशाम संतोष जाधव                                    | २०       | नाईकनगर, तालुका पाचोरा,<br>जिल्हा जळगाव.          | रिक्षा पलटी होऊन डोक्यास<br>गंभीर दुखापत होऊन मयत. | ४२/२०         | 9८-9२-२०२०     |
|            |   |          |   |  |               | राजेंद्र कचरे. |

राजेंद्र कचरे, उपविभागीय दंडाधिकारी, पाचोरा भाग, पाचोरा,

जिल्हा जळगाव.

पाचोरा, २५ मे २०२१.

### जाहीर नोटिस

क्रमांक दंडप्र/कावि-३५९/२०२१.— ज्याअर्थी, सोबतच्या यादीतील इसम क्रमांक १ ते १३ हे त्यांचे नावासमोर दर्शविलेल्या कारणामुळे मयत झाले असून त्याप्रमाणे अकस्मात मृत्यू समरी मंजूर होऊन मिळणेबाबत उपविभागीय पोलीस अधिकारी, पाचोरा भाग, पाचोरा यांनी फौजदारी प्रक्रिया संहिता, १९७३ चे कलम १७४ अन्वये या कार्यालयाकडे अहवाल सादर केला आहे. खालील यादीतील इसम यांचे नावासमोर नमूद केलेल्या मृत्यूच्या कारणांखेरीज त्यांचा मृत्यू इतर कारणांमुळे झालेला आहे अगर कसे ? अशा संबंधात कोणाची काही तक्रार असल्यास त्यांनी ही नोटिस महाराष्ट्र शासन राजपत्रात प्रसिद्ध झालेपासून ३० दिवसांचे आत मा. उपविभागीय दंडाधिकारी, पाचोरा उपविभाग, पाचोरा, जिल्हा जळगाव यांचेकडे लेखी तक्रार करावी.

वरील मुदतीत कोणतीही तक्रार आली नाही तर उपविभागीय पोलीस अधिकारी, पाचोरा उपविभाग, पाचोरा, जिल्हा जळगाव यांनी सादर केल्याप्रमाणे यादीत नमूद केलेल्या इसमांचे अकस्मात मृत्यू समरी मंजूर करणेत येईल.

### भडगाव पोलीस ठाणे

### परिशिष्ट

| अ.<br>क्र. | मयताचे नाव               | वय<br>(वर्षे) | पत्ता                                      | मृत्यूचे कारण  | अ.मृ.<br>र.नं. | मयत दिनांक              |
|------------|--------------------------|---------------|--|--|----------------|-------------------------|
| 9          | २                        | 3             | 8  | 4  | ξ              | (9                      |
| 9          | दिनकर मुकुंदा सरदार      | ૨૪            | पेंडगाव, तालुका भडगाव,<br>जिल्हा जळगाव.    | नैराश्येपोटी काहीतरी विषारी औषध<br>सेवन केल्याने मयत.                | ५०/२०          | 0९-90-२०२०              |
| 2          | प्रविण सुरेश पाटील       | २८            | गिरड, तालुका भडगाव,<br>जिल्हा जळगाव.       | सर्पदंशाने मयत   | ०६/२१          | २४-०१-२०२१              |
| 3          | अनोळखी पुरुष             | अंदाजे<br>३०  | माहित नाही                                 | रेल्वेतून पडून मेंदू रक्तस्त्राव<br>होऊन मयत.                        | ६०/२०          | २०-११-२०२०              |
| 8          | पुष्पा शंकर भालेराव      | २६            | कजगाव, तालुका भडगाव,<br>जिल्हा जळगाव.      | नैराश्येतून गळफास घेऊन मयत   | ६७/२०          | २८-१२-२०२०              |
| ዓ          | शालीक चिंताराम पाटील     | ५५            | जुवार्डी, तालुका भडगाव,<br>जिल्हा जळगाव.   | विषारी औषध सेवन करून मयत   | ६४/२०          | ३०-११-२०२०              |
| દ્દ        | संजय अरूण कोळी           | 30            | कोठली, तालुका भडगाव,<br>जिल्हा जळगाव.      | पाण्यात बुडून मयत  | ६५/२०          | 90-92-2020              |
| (9         | त्र्यंबक शांताराम पाटील  | 38            | भडगाव, तालुका भडगाव,<br>जिल्हा जळगाव.      | गळफास घेऊन मयत   | १८/२१          | o8-o8- <del>2</del> o29 |
| ۷          | वना तापीराम पाटील        | ६५            | भातखंडे, तालुका भडगाव,<br>जिल्हा जळगाव.    | हृदयविकाराच्या झटक्याने मयत  | 03/29          | 9२-०9-२०२9              |
| 9          | सुनंदाबाई राजेंद्र पाटील | 40            | जुवार्डी, तालुका भडगाव,<br>जिल्हा जळगाव.   | गळफास घेऊन मयत   | 98/२9          | १५-०३-२०२१              |
| 90         | शशिकांत विश्राम खैरनार   | 40            | तांदूळवाडी, तालुका भडगाव,<br>जिल्हा जळगाव. | निंबाचे झाडावर अचानक तोल<br>जाऊन खाली पडून डोक्यास<br>मार लागून मयत. | o७/२१          | 90-02-2029              |

| $\sim$ | $\sim$ |     |   |    |   |
|--------|--------|-----|---|----|---|
| पार    | श      | ष्ट | — | चा | લ |

| अ.   | मयताचे नाव           | वय      | पत्ता                                       | मृत्यूचे कारण                | अ.मृ.र.नं. | मयत दिनांक |
|------|----------------------|---------|---|------------------------------|------------|------------|
| क्र. |                      | (वर्षे) |   |                              |            |            |
| 9    | २                    | 3       | 8   | ч                            | ξ          | (9         |
|      |                      |         | पाचोरा पोलीस                                | ा ठाणे                       |            |            |
| 99   | गणेश गोबा पाटील      | 32      | सारोळा खु., तालुका पाचोरा,<br>जिल्हा जळगाव. | विहिरीच्या पाण्यात बुडून मयत | 99२/२०     | २३-१२-२०२० |
|      |                      |         | चाळीसगाव लोहमार्ग                           | पोलीस ठाणे                   |            |            |
| 9२   | नरेंद्र राजाराम साठे | ४५      | कजगाव, तालुका भडगाव,<br>जिल्हा जळगाव.       | रेल्वे अपघाती मृत्यू         | 39/२०      | २२-१०-२०२० |
|      |                      |         | भुसावळ लोहमार्ग प                           | ोलीस ठाणे                    |            |            |
| 93   | सतिष नाना पाटील      | २२      | अंतुर्ली, तालुका पाचोरा,<br>जिल्हा जळगाव.   | आत्महत्या                    | 83/२०      | 93-90-2020 |

राजेंद्र कचरे,

उपविभागीय दंडाधिकारी, पाचोरा भाग, पाचोरा, जिल्हा जळगाव.

पाचोरा, २८ मे २०२१.

### जिल्हादंडाधिकारी यांजकडून

- वाचले : (१) महाराष्ट्र पोलीस अधिनियम क्रमांक XXIV-२०१२ (मुंबई पोलीस अधिनियम, १९५१ चे संक्षिप्त नाव बदल) चे कलम ३७ (१) (३).
  - (२) पोलीस अधीक्षक, नंदुरबार यांचेकडील पत्र क्रमांक जिविशा/का.व.सु./मनाई आदेश/१६४५/२०२१/नंदुरबार, दिनांक ११ एप्रिल २०२१.

#### आदेश

क्रमांक ड/कक्ष-२/पीओएल/कावि-३६०/२०२१.— ज्याअर्थी, उपरोल्लिखित क्रमांक २ चे अनुषंगाने नंदुरबार यांचेकडील पत्र कमांक जिविशा/का.व.सु/मनाई आदेश/१६४५/२०२०/नंदुरबार, दिनांक ११ एप्रिल २०२१ रोजीच्या पत्रान्चये नंदुरबार जिल्हा हा जातीयदृष्ट्या अतिसंवेदनशील आहे. जिल्ह्यात विविध संघटनांतर्फे धरणे, मोर्चा, बंद इत्यादी आंदालने करण्यात येतात. तसेच वैयक्तिक व सामूहिकरित्या आमरण/लाक्षणिक उपोषण करण्यात येतात. तसेच जिल्ह्यात दिनांक २१ एप्रिल २०२१ रोजी राम नवमी, दिनांक २५ एप्रिल २०२१ रोजी व दिनांक २७ एप्रिल

२०२१ रोजी हनुमान जयंती साजरे होणार आहेत. सण/उत्सवा दरम्यान पूजा-अर्चा, प्रार्थना, शोभा यात्रा/मिरवणूका, पालख्या, सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित करतात. वरीलप्रमाणे विविध सण-उत्सव साजरे करण्यात येत असले तरी सध्या सर्वत्र कोरोना विषाणूचा प्रादुर्भाव वाढला असल्याने शासनाने व प्रशासनाने सदर सण-उत्सव घरात राहूनच साजरे करण्याबाबत जनतेला आवाहन केले आहे. तरी देखील उपरोक्त सण-उत्सव काळात काही उत्साही नागरिक अचानकपणे गर्दी करण्याची शक्यता देखील नाकारता येत नाही. तसेच अशा महत्वाच्या सण-उत्सव कार्यक्रमाचे काळात समाजकंटकांकडून किरकोळ घटनेवरून अनुचित प्रकार घडवून आणून जिल्ह्यात कायदा व सुव्यवस्थेचा प्रश्न निर्माण होण्याची शक्यता नाकारता येत नाही. त्यावरून नंदुरबार जिल्ह्यात कायदा व सुव्यवस्थेचा प्रश्न निर्माण होऊ शकतो. तसे होऊ नये व त्यांचेवर शासनाचे नियंत्रण रहावे याकरिता संपूर्ण नंदुरबार जिल्ह्यात दिनांक १८ एप्रिल २०२१ चे ६.०० वाजेपासून ते दिनांक २ मे २०२१ चे २४.०० वाजेपावेतो महाराष्ट्र पोलीस अधिनियम क्रमांक XXIV-२०१२ (मुंबई पोलीस अधिनियम, १९५१ चे संक्षिप्त नाव बदल) चे कलम ३७ (१) (३) प्रमाणे मनाई आदेश जारी होणेबाबत विनंती करण्यात आली आहे.

ज्याअर्थी, वरील बाबी लक्षात घेता व तशी परिस्थिती निर्माण झाल्यास ती हाताळणेसाठी पोलीसांना मदत व्हावी म्हणून महाराष्ट्र पोलीस अधिनियम क्रमांक XXIV-२०१२ (मुंबई पोलीस अधिनियम, १९५१ चे संक्षिप्त नाव बदल) चे कलम ३७ (१) (३) प्रमाणे प्रतिबंधात्मक आदेश जारी करणे आवश्यक असल्याची माझी खात्री झालेली आहे.

त्याअर्थी, मी, डॉ. राजेंद्र भारूड, जिल्हादंडाधिकारी, नंदुरबार महाराष्ट्र पोलीस अधिनियम क्रमांक XXIV-२०१२ (मुंबई पोलीस अधिनियम, १९५१ चे संक्षिप्त नाव बदल) चे कलम ३७ (१) (३) अन्वये प्राप्त अधिकारांचा वापर करून दिनांक १८ एप्रिल २०२१ चे ६.०० वाजेपासून ते दिनांक २ मे २०२१ चे २४.०० वाजेपावेतोच्या कालावधीसाठी संपूर्ण नंदुरबार जिल्ह्यातील कोणत्याही इसमास खालील कृत्ये करण्यास एकतर्फी मनाई आदेश जारी करीत आहे.

- (अ) सोटे, तलवारी, बंदुका, भाले, सुरे, लाठ्या किंवा शारीरिक दुखापती करण्यासाठी वापरात येतील अशी कोणतीही हत्यारे अथवा वस्तू बरोबर घेऊन फिरणे ;
- (ब) अंग भाजून टाकणारा कोणताही दाहक पदार्थ किंवा स्फोटक पदार्थ किंवा द्रव्ये बरोबर घेऊन फिरणे ;
- (क) दगड अगर अस्त्रे सोडावयाची अगर फेकण्याची हत्यारे, साधने इत्यादी तयार करणे, जमा करणे आणि बरोबर नेणे;
- (ड) सार्वजनिक शांतता धोक्यात येईल अशी भाषणे करणे, हावभाव करणे अथवा सोंग आणणे ;
- (इ) जाहीरपणे घोषणा करणे, गाणे म्हणणे, वाद्य वाजविणे ;
- (फ) कोणत्याही व्यक्तीची आकृती किंवा प्रतिमेचे प्रदर्शन करणे अगर दहन करणे ;

महाराष्ट्र पोलीस अधिनियम क्रमांक XXIV-२०१२ (मुंबई पोलीस अधिनियम, १९५१ चे संक्षिप्त नाव बदल) चे कलम ३७ (१) (३) अन्वयेचा प्रतिबंधात्मक आदेश हा ज्यांना लाठी अगर तत्सम वस्तू घेतल्याशिवाय चालता येत नाही, अशा वृद्ध अथवा अपंग इसमांना लागू नाही. तसेच शासनाच्या सेवेतील ज्या व्यक्तींना आपल्या विष्ठांचे आदेशानुसार कर्तव्यपूर्तीसाठी हत्यार बाळगणे आवश्यक आहे, त्यांना लागू होणार नाहीत.

तसेच, महाराष्ट्र पोलीस अधिनियम क्रमांक XXIV-२०१२ (मुंबई पोलीस अधिनियम, १९५१ चे संक्षिप्त नाव बदल) चे कलम ३७ (१) (३) नुसार संबंधित पोलीस स्टेशनचे प्रभारी अधिकारी किंवा त्यांनी अधिकार प्रदान कलेले इतर अधिकाऱ्यांचे पूर्वपरवानगीशिवाय पाचपेक्षा जास्त व्यक्तींचा समावेश असलेल्या कोणत्याही मंडळीस (जमावास) किंवा मिरवणुकीस मनाई करीत आहे. मात्र संबंधीत पोलीस स्टेशनचे प्रभारी अधिकारी यांनी दिलेल्या परवानगी सदर निर्वंध लागू होत नाहीत. अशी परवानगी दिल्यावर तात्काळ संबंधित

कार्यकारी दंडाधिकारी, उपविभागीय दंडाधिकारी आणि जिल्हादंडाधिकारी कार्यालयास अहवाल द्यावे व सदर कालावधीत सभा, मिरवणुका, मोर्चे, ध्वनिक्षेपके इत्यादी परवानगीबाबत पोलीस विभागाचे पोलीस अधिकाऱ्यांनी कायदा व सुव्यवस्था राखणेबाबत योग्य तो निर्णय घेऊन परवानगी द्यावी. त्या व्यतिरिक्त सदरचे निर्बंध लग्न, मिरवणुका, तालुका आठवडे बाजार अगर प्रेतयात्रेच्या जमावास लागू नाहीत.

महाराष्ट्र पोलीस अधिनियम क्रमांक XXIV-२०१२ (मुंबई पोलीस अधिनियम, १९५१ चे संक्षिप्त नाव बदल) चे कलम ३७ (१) (३) अन्वयेचा हा प्रतिबंधात्मक आदेश दिनांक १८ एप्रिल २०२१ रोजीचे ६.०० वाजेपासून ते दिनांक २ मे २०२१ रोजीचे २४.०० वाजेपावेतो संपूर्ण नंदुरबार जिल्ह्यात अंमलात राहील.

सदरचा आदेश हा दिनांक १५ एप्रिल २०२१ रोजी माझ्या सही व शिक्क्यानिशी दिला असे.

> **डॉ. राजेंद्र भारूड,** जिल्हादंडाधिकारी, नंदुरबार.

नंदुरबार, १५ एप्रिल २०२१.

वाचले : (१) महाराष्ट्र पोलीस अधिनियम क्रमांक XXIV-२०१२ (मुंबई पोलीस अधिनियम, १९५१ चे संक्षिप्त नाव बदल) चे कलम ३७ (१) (३).

> (२) पोलीस अधीक्षक, नंदुरबार यांचेकडील पत्र क्रमांक जिविशा/का.व.सु./मनाई आदेश/१८११/२०२१/नंदुरबार, दिनांक २४ एप्रिल २०२१.

#### आदेश

क्रमांक ड/कक्ष-२/पीओएल/कावि-३७२/२०२१. ज्याअर्थी, उपरोल्लिखित क्रमांक २ चे अनुषंगाने नंदुरबार यांचेकडील पत्र कमांक जिविशा/का.व.सु/मनाई आदेश/१८११/२०२१/नंदुरबार, दिनांक २४ एप्रिल २०२१ रोजीच्या पत्रान्वये नंदुरबार जिल्हा हा जातीयदृष्ट्या अतिसंवेदनशील आहे. जिल्ह्यात विविध संघटनांतर्फे धरणे, मोर्चा, बंद इत्यादी आंदालने करण्यात येतात. तसेच वैयक्तिक व सामूहिकरित्या आमरण/लाक्षणिक उपोषण करण्यात येतात. तसेच जिल्ह्यात दिनांक १४ एप्रिल २०२१ रोजी रमजान मासारंभ झालेला असून त्यानिमित्त मुस्लिम बांधवांचे रोजे सुरू आहेत. सदर रोजी महिनाभर राहतात व त्याची सांगता म्हणून दिनांक १४ मे २०२१ रोजी (एक दिवस पुढे मागे चंद्रदर्शनानुसार) रमजान ईद साजरी करण्यात येणार आहे. त्या अनुषंगाने जिल्ह्यात उपरोक्त कार्यक्रम, सणाचे वेळी समाजकंटकांकडून कोणत्याही प्रकारे अनुचित प्रकार घडू नये आणि नंदुरबार जिल्ह्यात किरकोळ घटनेवरून कायदा व सुव्यवस्थेचा प्रश्न निर्माण होऊ नये किंबहुना तशी परिस्थिती निर्माण झाल्यास ती हाताळणेसाठी पोलीसांना मदत व्हावी

म्हणून संपूर्ण नंदुरबार जिल्ह्यात दिनांक ३ मे २०२१ चे ६.०० वाजेपासून ते दिनांक १७ मे २०२१ चे २४.०० वाजेपावेतो महाराष्ट्र पोलीस अधिनियम क्रमांक XXIV-२०१२ (मुंबई पोलीस अधिनियम, १९५१ चे संक्षिप्त नाव बदल) चे कलम ३७ (१) (३) प्रमाणे मनाई आदेश जारी होणेबाबत विनंती करण्यात आली आहे.

ज्याअर्थी, वरील बाबी लक्षात घेता व तशी परिस्थिती निर्माण झाल्यास ती हाताळणेसाठी पोलिसांना मदत व्हावी म्हणून महाराष्ट्र पोलीस अधिनियम क्रमांक XXIV-२०१२ (मुंबई पोलीस अधिनियम, १९५१ चे संक्षिप्त नाव बदल) चे कलम ३७ (१) (३) प्रमाणे प्रतिबंधात्मक आदेश जारी करणे आवश्यक असल्याची माझी खात्री झालेली आहे.

त्याअर्थी, मी, डॉ. राजेंद्र भारूड, जिल्हादंडाधिकारी, नंदुरबार महाराष्ट्र पोलीस अधिनियम क्रमांक XXIV-२०१२ (मुंबई पोलीस अधिनियम, १९५१ चे संक्षिप्त नाव बदल) चे कलम ३७ (१) (३) अन्वये प्राप्त अधिकारांचा वापर करून दिनांक ३ मे २०२१ चे ६.०० वाजेपासून ते दिनांक १७ मे २०२१ चे २४.०० वाजेपावेतोच्या कालावधीसाठी संपूर्ण नंदुरबार जिल्ह्यातील कोणत्याही इसमास खालील कृत्ये करण्यास एकतर्फी मनाई आदेश जारी करीत आहे.

- (अ) सोटे, तलवारी, बंदुका, भाले, सुरे, लाठ्या किंवा शारीरिक दुखापती करण्यासाठी वापरात येतील अशी कोणतीही हत्यारे अथवा वस्तू बरोबर घेऊन फिरणे;
- (ब) अंग भाजून टाकणारा कोणताही दाहक पदार्थ किंवा स्फोटक पदार्थ किंवा द्रव्ये बरोबर घेऊन फिरणे;
- (क) दगड अगर अस्त्रे सोडावयाची अगर फेकण्याची हत्यारे, साधने इत्यादी तयार करणे, जमा करणे आणि बरोबर नेणे;
- (ड) सार्वजनिक शांतता धोक्यात येईल अशी भाषणे करणे, हावभाव करणे अथवा सोंग आणणे ;
- (इ) जाहीरपणे घोषणा करणे, गाणे म्हणणे, वाद्य वाजविणे ;
- (फ) कोणत्याही व्यक्तीची आकृती किंवा प्रतिमेचे प्रदर्शन करणे अगर दहन करणे ;

महाराष्ट्र पोलीस अधिनियम क्रमांक XXIV-२०१२ (मुंबई पोलीस अधिनियम, १९५१ चे संक्षिप्त नाव बदल) चे कलम ३७ (१) (३) अन्वयेचा प्रतिबंधात्मक आदशे हा ज्यांना लाठी अगर तत्सम वस्तू घेतल्याशिवाय चालता येत नाही, अशा अपंग इसमांना लागू नाही अशा वृद्ध अथवा अपंग इसमांना लागू नाही. तसेच शासनाच्या सेवेतील ज्या व्यक्तींना आपल्या वरिष्टांचे आदेशानुसार कर्तव्यपूर्तीसाठी हत्यार बाळगणे आवश्यक आहे, त्यांना लागू होणार नाहीत.

तसेच, महाराष्ट्र पोलीस अधिनियम क्रमांक XXIV-२०१२ (मुंबई पोलीस अधिनियम, १९५१ चे संक्षिप्त नाव बदल) चे कलम ३७ (१) (३) नुसार संबंधित पोलीस स्टेशनचे प्रभारी अधिकारी किंवा

त्यांनी अधिकार प्रदान कलेले इतर अधिकाऱ्यांचे पूर्वपरवानगीशिवाय पाचपेक्षा जास्त व्यक्तींचा समावेश असलेल्या कोणत्याही मंडळीस (जमावास) किंवा मिरवणुकीस मनाई करीत आहे. मात्र संबंधित पोलीस स्टेशनचे प्रभारी अधिकारी यांनी दिलेल्या परवानगी सदर निर्बंध लागू होत नाहीत. अशी परवानगी दिल्यावर तात्काळ संबंधित कार्यकारी दंडाधिकारी, उपविभागीय दंडाधिकारी आणि जिल्हादंडाधिकारी कार्यालयास अहवाल द्यावे व सदर कालावधीत सभा, मिरवणुका, मोर्चे, ध्वनिक्षेपके इत्यादी परवानगीबाबत पोलीस विभागांचे पोलीस अधिकाऱ्यांनी कायदा व सुव्यवस्था राखणेबाबत योग्य तो निर्णय घेऊन परवानगी द्यावी. त्या व्यतिरिक्त सदरचे निर्बंध लग्न मिरवणुका, मिरवणुका, तालुका आठवडे बाजार अगर प्रेतयात्रेच्या जमावास लागू नाहीत.

महाराष्ट्र पोलीस अधिनियम क्रमांक XXIV-२०१२ (मुंबई पोलीस अधिनियम, १९५१ चे संक्षिप्त नाव बदल) चे कलम ३७ (१) (३) अन्वयेचा हा प्रतिबंधात्मक आदेश दिनांक ३ मे २०२१ रोजीचे ६.०० वाजेपासून ते दिनांक १७ मे २०२१ रोजीचे २४.०० वाजेपावेतो संपूर्ण नंदुरबार जिल्ह्यात अंमलात राहील.

सदरचा आदेश हा दिनांक २७ एप्रिल २०२१ रोजी माझ्या सही व शिक्क्यानिशी दिला असे.

> **डॉ. राजेंद्र भारूड,** जिल्हादंडाधिकारी, नंदुरबार.

नंदुरबार, २७ एप्रिल २०२१.

वाचले : (१) महाराष्ट्र पोलीस अधिनियम क्रमांक XXIV-२०१२ (मुंबई पोलीस अधिनियम, १९५१ चे संक्षिप्त नाव बदल) चे कलम ३७ (१) (३).

(२) पोलीस अधीक्षक, नंदुरबार यांचेकडील पत्र क्रमांक जिविशा/का. व. सु./मनाई आदेश/२०९४/२०२९/ नंदुरबार, दिनांक ११ में २०२१.

#### आदेश

क्रमांक ड/कक्ष-२/पीओएल/कावि-४०३/२०२१.— ज्याअर्थी, उपरोल्लिखित क्रमांक २ चे अनुषंगाने नंदुरबार यांचेकडील पत्र कमांक जिविशा/का.व.सु/मनाई आदेश/२०९४/२०२१/नंदुरबार, दिनांक ११ मे २०२१ रोजीच्या पत्रान्वये नंदुरबार जिल्हा हा जातीयदृष्ट्या अतिसंवेदनशील आहे. जिल्ह्यात विविध संघटनातर्फे धरणे, मोर्चा, बंद इत्यादी आंदालने करण्यात येतात. तसेच वैयक्तिक व सामुहिकरित्या आमरण/लाक्षणिक उपोषण करण्यात येतात. त्याचप्रमाणे ५ मे २०२१ रोजी मा. उच्च न्यायालयाच्या निषेधार्थ मराठा समाजाकडून मोर्चे, आंदोलन करण्याची शक्यता नाकारता येत नाही.

दिनांक २६ मे २०२१ रोजी बुद्ध पौर्णिमा असल्याने बुद्ध पोर्णिमेनिमित्त दरवर्षी जिल्ह्यात बुद्धवंदनेसह विविध कार्यक्रम आयोजित केले जातात. परंतु सध्या कोरोना विषाणूचा प्रादुर्भाव सर्वत्र वाढला असून कोरोनाच्या पार्श्वभूमीवर नागरिकांनी सण-उत्सव सार्वजनिक ठिकाणी साजरे न करता घरीच राहून साधेपणाने साजरे करण्याबाबत शासनाच्या मार्गदर्शक सूचना आहेत. त्या अनुषंगाने जिल्ह्यात बुद्ध पोर्णिमेचे वेळी नागरिकांनी बुद्ध वंदनेसाठी सार्वजनिक ठिकाणी गर्दी न करता घरीच रहावे. जेणेकरून सदर वेळी समाज कंटकांकडून कोणत्याही प्रकारे अनुचित प्रकार घडू नये आणि नंदुरबार जिल्ह्यात किरकोळ घटनेवरून कायदा व सुव्यवस्थेचा प्रश्न निर्माण होऊ नये किंबहुना तशी परिस्थिती निर्माण झाल्यास ती हाताळणेसाठी पोलीसांना मदत व्हावी म्हणून संपूर्ण नंदुरबार जिल्ह्यात दिनांक १८ मे २०२१ चे ६.०० वाजेपासून ते दिनांक २ जून २०२१ चे २४.०० वाजेपावेतो महाराष्ट्र पोलीस अधिनियम क्रमांक XXIV-२०१२ (मुंबई पोलीस अधिनियम, १९५१ चे संक्षिप्त नाव बदल) चे कलम ३७ (१) (३) प्रमाणे मनाई आदेश जारी होणेबाबत विनंती करण्यात आली आहे.

ज्याअर्थी, वरील बाबी लक्षात घेता व तशी परिस्थिती निर्माण झाल्यास ती हाताळणेसाठी पोलीसांना मदत व्हावी म्हणून महाराष्ट्र पोलीस अधिनियम क्रमांक XXIV-२०१२ (मुंबई पोलीस अधिनियम, १९५१ चे संक्षिप्त नाव बदल) चे कलम ३७ (१) (३) प्रमाणे प्रतिबंधात्मक आदेश जारी करणे आवश्यक असल्याची माझी खात्री झालेली आहे.

त्याअर्थी, मी, डॉ. राजेंद्र भारूड, जिल्हादंडाधिकारी, नंदुरबार महाराष्ट्र पोलीस अधिनियम क्रमांक XXIV-२०१२ (मुंबई पोलीस अधिनियम, १९५१ चे संक्षिप्त नाव बदल) चे कलम ३७ (१) (३) अन्वये प्राप्त अधिकारांचा वापर करून दिनांक १८ मे २०२१ चे ६.०० वाजपासून ते दिनांक २ जून २०२१ चे २४.०० वाजेपावेतोच्या कालावधीसाठी संपूर्ण नंदुरबार जिल्ह्यातील कोणत्याही इसमास खालील कृत्ये करण्यास एकतर्फी मनाई आदेश जारी करीत आहे.

- (अ) सोटे, तलवारी, बंदुका, भाले, सुरे, लाठ्या किंवा शारीरिक दुखापती करण्यासाठी वापरात येतील अशी कोणतीही हत्यारे अथवा वस्तू बरोबर घेऊन फिरणे;
- (ब) अंग भाजून टाकणारा कोणताही दाहक पदार्थ किंवा स्फोटक पदार्थ किंवा द्रव्ये बरोबर घेऊन फिरणे ;
- (क) दगड अगर अस्त्रे सोडावयाची अगर फेकण्याची हत्यारे, साधने इत्यादी तयार करणे, जमा करणे आणि बरोबर नेणे :

- (ड) सार्वजनिक शांतता धोक्यात येईल अशी भाषणे करणे, हावभाव करणे अथवा सोंग आणणे ;
- (इ) जाहीरपणे घोषणा करणे, गाणे म्हणणे, वाद्य वाजविणे ;
- (फ) कोणत्याही व्यक्तीची आकृती किंवा प्रतिमेचे प्रदर्शन करणे अगर दहन करणे ;

महाराष्ट्र पोलीस अधिनियम क्रमांक XXIV-२०१२ (मुंबई पोलीस अधिनियम, १९५१ चे संक्षिप्त नाव बदल) चे कलम ३७ (१) (३) अन्वयेचा प्रतिबंधात्मक आदशे हा ज्यांना लाठी अगर तत्सम वस्तू घेतत्याशिवाय चालता येत नाही, अशा अपंग इसमांना लागू नाही अशा वृद्ध अथवा अपंग इसमांना लागू नाही. तसेच शासनाच्या सेवेतील ज्या व्यक्तींना आपल्या वरिष्ठांचे आदेशानुसार कर्तव्यपूर्तीसाठी हत्यार बाळगणे आवश्यक आहे, त्यांना लागू होणार नाहीत.

तसेच, महाराष्ट्र पोलीस अधिनियम क्रमांक XXIV-२०१२ (मुंबई पोलीस अधिनियम, १९५१ चे संक्षिप्त नाव बदल) चे कलम ३७ (१) (३) नुसार संबंधित पोलीस स्टेशनचे प्रभारी अधिकारी किंवा त्यांनी अधिकार प्रदान कलेले इतर अधिकाऱ्यांचे पूर्वपरवानगीशिवाय पाचपेक्षा जास्त व्यक्तींचा समावेश असलेल्या कोणत्याही मंडळीस (जमावास) किंवा मिरवणुकीस मनाई करीत आहे. मात्र संबंधीत पोलीस स्टेशनचे प्रभारी अधिकारी यांनी दिलेल्या परवानगी सदर निर्बंध लागू होत नाहीत. अशी परवानगी दिल्यावर तात्काळ संबंधित कार्यकारी दंडाधिकारी, उपविभागीय दंडाधिकारी आणि जिल्हादंडाधिकारी कार्यालयास अहवाल द्यावे व सदर कालावधीत सभा, मिरवणुका, मोर्चे, ध्वनिक्षेपके इत्यादी परवानगीबाबत पोलीस विभागाचे पोलीस अधिकाऱ्यांनी कायदा व सुव्यवस्था राखणेबाबत योग्य तो निर्णय घेऊन परवानगी द्यावी. त्या व्यतिरिक्त सदरचे निर्बंध लग्न मिरवणुका, मिरवणुका, तालुका आठवडे बाजार अगर प्रेतयात्रेच्या जमावास लागू नाहीत.

महाराष्ट्र पोलीस अधिनियम क्रमांक XXIV-२०१२ (मुंबई पोलीस अधिनियम, १९५१ चे संक्षिप्त नाव बदल) चे कलम ३७ (१) (३) अन्वयेचा हा प्रतिबंधात्मक आदेश दिनांक १८ मे २०२१ रोजीचे ६.०० वाजेपासून ते दिनांक २ जून २०२१ रोजीचे २४.०० वाजेपावेतो संपूर्ण नंदुरबार जिल्ह्यात अंमलात राहील.

सदरचा आदेश हा दिनांक १८ मे २०२१ रोजी माझ्या सही व शिक्क्यानिशी दिला असे.

> **डॉ. राजेंद्र भारूड,** जिल्हादंडाधिकारी, नंदुरबार.

नंदुरबार, १८ मे २०२१.

### जिल्हा उपनिबंधक, सहकारी संस्था यांजकडून

- वाचले : (१) महाराष्ट्र शासन अधिसूचना क्रमांक सीएसएल-१६०५/सीआर-१२०/१५-सी, दिनांक २ एप्रिल २००५
  - (२) महाराष्ट्र शासन अधिसूचना क्रमांक सीएसएल-१६०५/सीआर-१२०/१५-सी, दिनांक २१ सप्टेंबर २००७
  - (३) महाराष्ट्र सहकारी संस्था अधिनियम, १९६० व नियम १९६१ मधील शासकीय अधिसूचना क्रमांक सीएसएल-२०१४/६९७/सीआर-४/ १३-सी, दिनांक ३० ऑगस्ट २०१४.
  - (४) मा. सहकार आयुक्त व निबंधक यांचे कार्यालयाकडील परिपत्रक क्रमांक ८-सआ/वैधा.कार्य व अवसा. काम/कलम १५६/२०१६, दिनांक २४ जून २०१६.
  - (५) मा. सहकार आयुक्त व निबंधक यांचे कार्यालयाकडील परिपत्रक क्रमांक १/ जावक क्रमांक पतसंस्था/सआ-५/वसुली अधिकारी/ नियुक्ती/फेरनियुक्ती/२०१७, दिनांक १ जानेवारी २०१७.
  - (६) मा. सहकार आयुक्त व निबंधक यांचे कार्यालयाकडील परिपत्रक महाराष्ट्र सहकारी संस्था अधिनियम, १९६० चे कलम १५६ व महाराष्ट्र सहकारी संस्था नियम, १९६१ चे नियम १०७ अन्वये आदेश जावक क्रमांक पतसंस्था/स.आ.-५/खर्च/वसुली आदेश/२०१८, दिनांक ६ एप्रिल २०१८.
  - (७) मा. सहकार आयुक्त व निबंधक, सहकारी संस्था, महाराष्ट्र राज्य, पुणे यांचे कार्यालयाकडील सहकारी संस्थासाठी कायदा कलम १५६ वसुली अधिकाऱ्यांची नियुक्ती व फेरनियुक्तीबाबतचे परिपत्रक २४७४/जा.क्र./पतसंस्था/सआ-५/वसुली अधिकारी नियुक्ती/फेरनियुक्ती/२०१८, दिनांक ३१ ऑक्टोबर २०१८.
  - (८) दि पाचोरा पिपल्स को-ऑप बँक लिमिटेङ, पाचोरा, तालुका पाचोरा, जिल्हा जळगाव यांचा दिनांक १७ जून २०२० रोजीचा शिफारस प्रस्ताव (प्राप्त दिनांक १९ जून २०२०).

#### आदेश

- (१) वसुली अधिकारी यांनी महाराष्ट्र सहकारी संस्था अधिनियम, १९६० चे कलम १५६ व नियम १९६१ चे नियम १०७ मधील तरतुदींनुसार कर्ज वसुलीची कार्यवाही करावी.
- (२) सदर अधिकार हे कलम ९८ व १०१ अन्वये वसुली दाखल्याची अंमलबजावणी करण्याकरिता असतील.
- (३) संबंधित अधिकारी त्यास प्रदान केलेल्या अधिकारांचा गैरवापर करीत असल्याचे निदर्शनास आल्यास अधिकार काढून घेण्यात येतील.
- (४) संबंधित निबंधक वा जिल्हा उपनिबंधकांना वाटल्यास वसुलीचे अधिकार मागे घेणेचे हक्क त्यांना राहतील.
- (५) संबंधित बँकेचे अवसायक/प्रशासक/संचालक मंडळ यांनी संबंधित वसुली अधिकारी यांचेकडील अधिकार काढावेत, असे कळविल्यास वसुलीचे अधिकार काढून घेण्यात येतील.
- (६) विशेष वसुली अधिकारी यांचे कामकाजाचा अहवाल उपरोक्त वाचले क्रमांक ४ मध्ये पुरविण्यात आलेल्या नमुन्यात संबंधित निबंधकास तसेच या कार्यालयास दरमहा न चुकता सादर करावा.
- (७) प्रस्तुत वसुली अधिकार दिलेल्या व्यक्तीची बदली, निवृत्ती, मृत्यू झाल्यास प्रदान करण्यात आलेले अधिकार आपोआप रद्द होतील.
- (८) वरील कालावधीनंतरही वसुलीसाठी मुदतवाढ आवश्यक असल्यास तसा प्रस्ताव या कार्यालयास मुदत संपणेपूर्वी किमान एक महिना अगोदर सादर करणे आवश्यक आहे.
- (९) विशेष वसुली अधिकारी यांनी वसुलीचे अधिकार व वसुलीची प्रक्रिया बँकेच्या अवसायक मंडळ/प्रशासक/संचालक मंडळाच्या ठरावानुसार व मंजुरीनेच वापरावयाचे आहेत.
- (१०) विशेष वसुली अधिकारी यांनी अधिकाराचा गैरवापर करीत असलेचे निदर्शनास आल्यास, त्यास संबंधित वसुली अधिकारी, बँकेचे अवसायक मंडळ/प्रशासक/संचालक मंडळ/व्यवस्थापक जबाबदार राहील.

- (११) मा. सहकार आयुक्त व निबंधक यांचे कार्यालयाकडील परिपत्रक क्रमांक ८-सआ/वैधा.कार्य व अवसा. काम/कलम १५६/२०१६, दिनांक २४ जून २०१६ अन्वये,
  - (अ) महाराष्ट्र शासन सहकार, पणन व वस्त्रोद्योग विभाग यांचेकडील शासन निर्णय क्रमांक संकीर्ण-१५०४/प्र.क्र. २३१/१५-सी, दिनांक २३ नोव्हेंबर २००६ वसुली अधिकारी यांना त्यांचे पत्रव्यवहारात/आदेशात/कामकाजात तीन सिंहांच्या राजमुद्रेचा वापर करता येणार नाही. तसेच वसुली अधिकाऱ्यास त्याच्या नावापुढे कोठेही "महाराष्ट्र शासन नियुक्त" आणि/किंवा "सिव्हिल कोर्ट", "एक्झिक्युटिव्ह कोर्ट" या शब्दाचा अथवा तत्सम शब्दांचा वापर करता येणार नाही. त्याऐवजी वसुली अधिकाऱ्यांनी त्यांच्या नावापुढे "वसुली अधिकारी" (महाराष्ट्र सहकारी संस्था अधिनियम, १९६० व नियम १९६१ चे नियम १०७ अन्वये) असे लिहावे.
  - (ब) वसुली अधिकाऱ्यास वसुलीसाठी वापर करण्यात येणाऱ्या वाहनावर "वसुली अधिकारी, दि पाचोरा पिपल्स को-ऑपरेटिव्ह बँक लिमिटेड, पाचोरा, तालुका पाचोरा, जिल्हा जळगाव" असा फलक लावता येऊ शकेल.
  - (क) मा. उच्च न्यायालय, मुंबई यांनी रिट याचिका क्रमांक १९४२/२०१३, दि बेसिन कॅथोलिक को-ऑप. बॅक विरुद्ध महाराष्ट्र राज्य व इतर या याचिकेमध्ये दिनांक ५ डिसेंबर २०१५ रोजी दिलेला आदेश विचारात घेऊन वसुलीची कार्यवाही करताना महाराष्ट्र सहकारी संस्था अधिनियम, १९६० व नियम १९६१ अन्वये प्राप्त असलेल्या अधिकारानुसारच वसुलीची कार्यवाही करावी.
  - (ड) महाराष्ट्र सहकारी संस्था अधिनियम, १९६० खाली दिलेल्या वसुलीचे अधिकार संस्थेच्या अधिकाऱ्यास प्रदान केल्यानंतर त्याचा कोणताही वापर केला नसल्याचे आढळून आल्यास त्या अधिकाऱ्यास अशा अधिकारांचे नूतनीकरण करून देण्यात येणार नाही.
  - (इ) वसुली अधिकारी यांनी पगार जप्तीची कार्यवाही करताना कर्जदाराच्या/जामीनदाराच्या पगार कपातीबाबत राष्ट्रीयीकृत बँका वा अन्य बँका यांचेकडे परस्पर वेतन कपातीचा आदेश देऊन परस्पर पगार कपात करता येणार नाही. संबंधित कर्जदार/जामीनदार ज्या आस्थापनेवर काम करीत आहे, त्या आस्थापनेवरील आहरण व संवितरण अधिकारी/पगार करणारा अधिकारी यांचेमार्फत पगारातून कर्ज वसूल करण्याची कार्यवाही करावी.
  - (फ) वसुली अधिकाऱ्यास, थकबाकीदाराकडून वसुली दाखल्यानुसार वसूलपात्र रक्कम व सरचार्ज रक्कम याशिवाय इतर कोणतीही रक्कम वसूल करता येणार नाही.
- (१२) मा. सहकार आयुक्त व निबंधक यांचे कार्यालयाकडील परिपत्रक २४७४ जावक क्रमांक पतसंस्था/स.आ.-५/वसुली अधिकारी नियुक्ती/फेरनियुक्ती/२०१८, दिनांक ३१ ऑक्टोबर २०१८ अन्वये कलम १५६ व नियम १०७ नुसार वसुली अधिकारी यांनी करावयाची कार्यवाही.
  - (I) वसुली अधिकाऱ्यांनी वसुली दाखले प्राप्त झाल्यापासून ८ दिवसात कायदा कलम १५६ व त्याखालील नियम १०७ मधील तरतुदीनुसार संबंधित कर्जदारास मागणी नोटीस द्यावी.
  - (II) मागणी नोटीस देऊनही कर्जदाराची कर्ज रक्कम वसुल न झाल्यास संबंधित कर्जदारास १५ दिवसांची जंगम जप्तीची नोटीस देऊन जंगम मालमत्ता जप्ती (Attachment) ची कार्यवाही करावी. जप्त केलेला जंगम माल संबंधित कर्जदाराकडे सुपूर्त पंचनामा करून ताब्यात द्यावी व पंचनामा दिनांकापासून १५ दिवसात कर्ज रक्कम भरणा न केल्यास जंगम मालाची जाहीर लिलावाने विक्री करावी. सदरची कारवाई वसुली दाखला प्राप्त झाल्यापासून दोन महिन्यांच्या आत पूर्ण करण्यात यावी.
  - (III) जंगम जप्ती (Attachment) करूनही कर्जदाराची कर्ज रक्कम वसूल न झाल्यास तारण मालमत्तेची लिलावाद्वारे विक्री करावी. तारण मालमत्ता नसल्यास किंवा अपुऱ्या तारणामुळे संपूर्ण वसुली न झाल्यास स्थावर मिळकतीचा शोध घेऊन त्या मिळकतीची जप्ती (Attachment) करून संबंधिताच्या मालमत्तेवर (७/१२ किंवा मिळकत पत्रिकावर) बोजे नोंद करावेत, सदरची कारवाई वसुली दाखला मिळाल्यापासून चार महिन्याच्या आत पूर्ण करावी.
  - (IV) लिलाव करावयाच्या मालमत्तेवर एकापेक्षा अधिक पतसंस्था अथवा बँका यांचा बोजा नोंद असल्यास संबंधित तालुका उप/ सहायक निबंधक/जिल्हा उपनिबंधक यांनी अशा संस्थांची एकत्रित बैठक घेऊन त्या संस्थांमध्ये समन्वय घडवून आणण्यासाठी प्रयत्न करून त्यांच्यामध्ये सामंजस्य करार करावा. सामंजस्य करारात (MOU) लिलावातून वसूल होणारी रक्कम सर्व संस्थांना कर्जाच्या मुद्दलाच्या प्रमाणात मिळण्याची व्यवस्था असावी.

- (V) लिलावाला बोलीधारक न मिळाल्यास तीन वेळा लिलाव लावावा. कायद्यातील तरतुदीनुसार लिलाव कायम करून कर्जदाराची थकबाकीची रक्कम वसूल करून घ्यावी.
- (VI) कर्जदाराच्या जिमनीचा लिलाव घेण्यास कोणी पुढे न आल्यास, कर्जदाराच्या स्थावर मालमत्तेचा लिलाव तीनवेळा लावूनही बोलीधारक मिळत नसल्यास महाराष्ट्र सहकारी संस्था अधिनियम, १९६० मधील कलम १०० व नियम ८५ मधील तरतुदीनुसार कर्जदाराची मालमत्ता संस्थेच्या नावाने करणेबाबतचा प्रस्ताव वसुली अधिकाऱ्याने संस्थेच्या निबंधकाकडे वसुली दाखला मिळाल्यापासून नऊ महिन्याच्या आत सादर करावा. आत संबंधित पतसंस्थेचे नाव ७/१२ किंवा मिळकत पत्रिकेस लावून कर्जदाराचे नाव कमी करावे.
- (VII) अशाप्रकारे वसुली अधिकाऱ्याची त्याप्रकरणातील कारवाई पूर्ण होईल. त्यानंतर वसुली अधिकाऱ्याने संबंधित कर्जदाराची वसुली पुणे नस्ती बँकेस परत करून पोहोच घ्यावी.
- (१३) महाराष्ट्र सहकारी संस्था अधिनियम, १९६० चे कलम १०० व नियम १९६१ चे नियम ८५ अन्वये ऋणकोकडील स्थावर मिळकत संस्थेच्या नावे झालेनंतर सदर मिळकतीचा जाहीर लिलाव करताना ९७ व्या घटना दुरुस्तीनुसार सहकार कायद्यात झालेल्या सुधारणांना अनुसरून अद्ययावत अपसेट प्राईज (वाजवी किंमत) मंजुरीनंतरच लिलाव प्रक्रिया राबविण्याची दक्षता घ्यावी. तसेच सदरची बाब संस्थेचे संचालक मंडळ/व्यवस्थापक यांचे निदर्शनास न चुकता आणून द्यावी.
- (१४) मा. सहकार आयुक्त व निबंधक यांचे कार्यालयाकडील उपरोक्त वाचले क्रमांक १ ते ७ च्या परिपत्रकांत नमूद आवश्यक सर्व निकषांचे तसेच आदेशांचे संबंधित वसुली अधिकारी, संस्था संचालक मंडळ, व्यवस्थापक यांनी काटेकोर व तंतोतंत पालन करावे.

### परिशिष्ट

| अ. क्र. | वसुली अधिकारी यांचे नाव      | हुदा   | शक्तीचा वापर              | कार्यक्षेत्र   |
|---------|------------------------------|--|---------------------------|--|
| 9       | २                            | 3  | 8                         | ५  |
| 9       | श्री. राजेंद्र सिताराम पाटील | विक्री व वुसली अधिकारी,<br>दि पाचोरा को-ऑपरेटिव्ह बँक लिमिटेड,<br>पाचोरा, तालुका पाचोरा, जिल्हा जळगाव. | विक्री व वसुली<br>अधिकारी | बँकेच्या मंजूर<br>उपविधीतील<br>कार्यक्षेत्राप्रमाणे<br>जळगाव जिल्हा. |
| ર       | श्री. पुरुषोत्तम दगडु पाटील  | ,,   | ,,                        | ,,   |
| 3       | श्री. फकिरा उखर्डु तडवी      | ,,   | ,,                        | ,,   |
| 8       | श्री. रशिद हैदर तडवी         | ,,   | ,,                        | ,,   |
| ዓ       | श्री. रहिमान बिस्मील्ला तडवी | ,,   | ,,                        | ,,   |
| ξ       | श्री. विनोद सुभाषचंद्र संघवी | ,,   | ,,                        | ,,   |
| (9      | श्री. दिलीप पंडीत देहेडे     | ,,   | ,,                        | ,,   |
| ۷       | श्री. रामकृष्ण प्रभाकर जाधव  | ,,   | ,,                        | ,,   |
| 9       | श्री. दत्तु प्रल्हाद पाटील   | ,,   | ,,                        | ,,   |
| 90      | श्री. किरण गोपाल अमृतकर      | ,,   | ,,                        | ,,   |

मेघराज राठोड, जिल्हा उपनिबंधक, सहकारी संस्था, जळगाव.

जळगाव, १२ ऑगस्ट २०१७.

### सहायक निबंधक, सहकारी संस्था यांजकडून आदेश

क्रमांक जिदुविअ/जळगाव/सहकार/५२८/सन २०२०.- मी, रविंद्र पाटील, सहायक निबंधक, सहकारी संस्था (दुग्ध), जळगाव अधिसूचित करतो की, स्वराज्य दूध उत्पादक सहकारी संस्था मर्यादित, देशमुखवाडी, तालुका चाळीसगाव, जिल्हा जळगाव ही संस्था महाराष्ट्र सहकारी संस्था अधिनियम, १९६० चे कलम ९ (१) (महाराष्ट्र सहकारी संस्था नियम, १९६१ चे नियम क्रमांक २४) अन्वये नोंदणी करण्यात आली असून महाराष्ट्र सहकारी संस्था नियम, १० (१) अन्वये संस्थोचे वर्गीकरण कृषी संस्था असून उपवर्गीकरण अन्य कृषी संस्था असा आहे.

सदर संस्थेचा नोंदणी क्रमांक जेजीए/सीएचएन/एजीआर/(ओ)/ (डी)/२८१/२०२०, दिनांक २० जुलै २०२० असा आहे. जळगाव, २० जुलै २०२०.

#### आदेश

क्रमांक जिदुविअ/जळगाव/सहकार/कलम २१/दशामाता बंशेमे/ नोंदणी रद्द आदेश/४९४/सन २०२०. – महाराष्ट्र सहकारी संस्था अधिनियम, १९६० चे कलम २१ अन्वये मला प्रदान करण्यात आलेल्या अधिकारानुसार मी, रविंद्र पाटील, सहायक निबंधक, सहकारी संस्था (दुग्ध), जळगाव असा आदेश देतो की, या कार्यालयाने नोंदणी क्रमांक जेजीए/जेजीए/एजीआर/(ओ)/(डी)/९५२/सन २०१८, दिनांक २८ नोव्हेंबर २०१८ नुसार नोंदणी झालेली दशामाता धनगर महिला बंदिस्त शेळीमेंढीपालन व्यवसाय सहकारी संस्था मर्यादित, सावखेडा बु., पोस्ट पिंप्राळा, तालुका-जिल्हा जळगाव या संस्थेची नोंदणी रद्द करीत आहे. या आदेशाच्या तारखेपासून सदर संस्था निगमनिकाय असल्याचे बंद झाले आहे, असे समजण्यात येईल.

सदरचे आदेश आज दिनांक ३० जून २०२० रोजी माझे सही शिक्क्यानिशी व कार्यालयीन मुद्रा उसवून निर्गमित केला असे.

> रविंद्र र. पाटील, सहायक निबंधक, सहकारी संस्था (दुग्ध), जळगाव.

जळगाव, ३० जून २०२०.

### उपनिबंधक, सहकारी संस्था यांजकडून

### आदेश

क्रमांक वि-५/क. २१ व १०९/नों.र./कै. शिवरामदादाहिग्राबिससं/ ५७१/सन २०२०.- महाराष्ट्र सहकारी संस्था अधिनियम, १९६० चे कलम २१ व १०९ (१) अन्वये मला प्राप्त झालेल्या अधिकारानुसार मी, संगमेश्वर बदनाळे, उपनिबंधक, सहकारी संस्था, मालेगाव, जिल्हा नाशिक संस्था नोंदणी क्रमांक एनएसके/एमएलजी/आरएसआर/सीआर/ ४१५/सन १९९०, दिनांक २३ एप्रिल १९९० अन्वये नोंदणी झालेल्या के. शिवरामदादा हिरे ग्रामीण बिगरशेती सहकारी संस्था मर्यादित, निमगाव, तालुका मालेगाव, जिल्हा नाशिक या संस्थेचे येणे-देणे व्यवहाराचे अधिकार अबाधित ठेऊन संस्थेची नोंदणी रद्द करीत असून महाराष्ट्र सहकारी संस्था अधिनियम, १९६० व नियम १९६१ मधील ८९ (१७) अन्वये श्री. व्ही. एस. पानपाटील, अपर उपलेखापरिक्षक, सहकारी संस्था, मालेगाव यांची प्रापक म्हणून नेमणूक करीत आहे. आज दिनांक २१ जुलै २०२० पासून या संस्थेचे विसर्जन झाले असे समजण्यात यांचे व ती पुढे निगमनिकाय असल्याचे बंद होईल.

सदर आदेश आज दिनांक २१ जुलै २०२० रोजी माझे सही व शिक्क्यानिशी दिला असे.

संगमेश्वर बदनाळे,

उपनिबंधक, सहकारी संस्था, मालेगाव, जिल्हा नाशिक.

मालेगाव, २१ जुलै २०२०.

### सहायक निबंधक, सहकारी संस्था यांजकडून

### जाहिरनामा

क्रमांक सनिश्री/वि-२/शिवशक्तीग्रसिबशेसहपत/संस्था नोंदणी/ जाहिरनामा/१८००/सन २०२०.- सहायक निबंधक, सहकारी संस्था, श्रीगोंदा, तालुका श्रीगोंदा, जिल्हा अहमदनगर हे जाहीर करतात की, शिवशक्ती ग्रामीण बिगरशेती सहकारी पतसंस्था मर्यादित, चांडगाव, तालुका श्रीगोंदा, जिल्हा अहमदनगर ही संस्था महाराष्ट्र सहकारी संस्था अधिनियम, १९६० चे कलम ९ (१) व महाराष्ट्र सहकारी संस्थांचा अधिनियम, १९६० चे नियम २४ अन्वये नोंदविण्यात आली असून महाराष्ट्र सहकारी संस्था अधिनियम, १९६० चे नियम १० (१) अन्वये संस्थेचे वर्गीकरण साधन संस्था असून उपवर्गीकरण कर्ज देणाऱ्या साधन संस्था असे करण्यात येत आहे.

सदर संस्थेचा नोंदणी क्रमांक एएनआर/एसजीए/आरएसआर/सीआर/ ४७८२/सन २०२०, दिनांक २८ जुलै २०२० असा आहे.

श्रीगोंदा, २८ जुलै २०२०.

### जाहिरनामा

क्रमांक सनिश्री/वि-२/शाकंभरीमहिलाग्रसिबशेसहपत/संस्था नोंदणी/ जाहिरनामा/१८४७/सन २०२०.- सहायक निबंधक, सहकारी संस्था, श्रीगोंदा, तालुका श्रीगोंदा, जिल्हा अहमदनगर हे जाहीर करतात की, शाकंभरी महिला ग्रामीण बिगरशेती सहकारी पतसंस्था मर्यादित, पेडगाव, तालुका श्रीगोंदा, जिल्हा अहमदनगर ही संस्था महाराष्ट्र सहकारी संस्था अधिनियम, १९६० चे कलम १ (१) व महाराष्ट्र सहकारी संस्थांचा अधिनियम, १९६१ चे नियम २४ अन्वये नोंदविण्यात आली असून महाराष्ट्र सहकारी संस्था अधिनियम, १९६१ चे नियम १० (१) अन्वये संस्थेचे वर्गीकरण साधन संस्था असून उपवर्गीकरण कर्ज देणाऱ्या साधन संस्था असे करण्यात येत आहे.

सदर संस्थेचा नोंदणी क्रमांक एएनआर/एसजीए/आरएसआर/सीआर/ ४७८३/सन २०२०, दिनांक ३१ जुलै २०२० असा आहे.

श्रीगोंदा, ३१ जुलै २०२०.

### जाहिरनामा

क्रमांक सनिश्री/वि-३/जोगेश्वरीमग्राबिशेपत/विलीनीकरण/श्रीरामपत/ १८१५/सन २०२०.- महाराष्ट्र सहकारी संस्था अधिनियम, १९६० चे कलम १७ (१) व महाराष्ट्र सहकारी संस्था नियम, १९६१ चे नियम १६ नुसार मला प्राप्त झालेल्या अधिकारानुसार मी, रावसाहेब खेडकर, सहायक निबंधक, सहकारी संस्था, श्रीगोंदा, जिल्हा अहमदनगर जोगेश्वरी महिला ग्रामीण बिगरशेती सहकारी पतसंस्था मर्यादित, बेलवंडी बु., तालुका श्रीगोंदा, जिल्हा अहमदनगर जिचा नोंदणी क्रमांक एएनआर/ एसजीए/आरएसआर/सीआर/४७६२/२०१४, दिनांक १३ फेब्रुवारी २०१४ असा असून सदर संस्थेची संपूर्ण देयता व मालमत्ता श्रीराम ग्रामीण बिगरशेती सहकारी पतसंस्था मर्यादित, काष्टी, तालुका श्रीगोंदा, जिल्हा अहमदनगर जिचा नोंदणी क्रमांक एएनआर/एसजीए/आरएसआर/सीआर/ ४७६८/२०१७, दिनांक ३१ मार्च २०१७ या नोंदणीकृत संस्थेमध्ये सोबतच्या परिशिष्टामध्ये नमूद केलेल्या अटी व शर्तीस अधीन राहून हस्तांतरीत करण्यास मंजुरी प्रदान करून विलीणीकरण करीत आहे. त्यासाठी निरनिराळ्या हस्तांतरणाचे दस्तऐवजाची अशा वेळी भारतीय नोंदणी अधिनियम, १९०८ किंवा संपत्ती हस्तांतरण अधिनियम, १८८२ च्या तरतुदी गैरलागू असल्यामुळे जरुरी राहणार नाही.

उक्त आदेशामुळे जोगेश्वरी महिला ग्रामीण बिगरशेती सहकारी पतसंस्था मर्यादित, बेलवंडी बु., तालुका श्रीगोंदा, जिल्हा अहमदनगर या संस्थेमध्ये विलीनीकरण झाल्यामुळे महाराष्ट्र सहकारी संस्था अधिनियम, १९६० चे कलम २१ अन्वये जोगेश्वरी महिला ग्रामीण बिगरशेती सहकारी पतसंस्था मर्यादित, बेलवंडी बु., तालुका श्रीगोंदा, जिल्हा अहमदनगर या संस्थेची नोंदणी रद्द करीत आहे.

तसेच मा. सहकार आयुक्त व निबंधक, सहकारी संस्था, महाराष्ट्र राज्य, पुणे यांचेकडील परिपत्रक जा. क्र. ना. बँक/डी-४/पतसंस्था/ नोंदणी/निकष/३५६/२०१४, दिनांक ३ फेब्रुवारी २०१४ मधील मुद्दा क्रमांक इ मधील संस्थेच्या कार्यक्षेत्रात मौजे श्रीगोंदा, तालुका श्रीगोंदा येथे जादा शाखेस मंजुरी देणेत येत आहे. सदरचा आदेश आज दिनांक ३० जुलै २०२० रोजी माझे सही व शिक्क्यानिशी पारित करीत आहे.

> रावसाहेब खेडकर, सहायक निबंधक, सहकारी संस्था, श्रीगोंदा, जिल्हा अहमदनगर.

श्रीगोंदा, ३० जुलै २०२०.

### आदेश

क्रमांक वि-८/पांझरासहगृहकुसुंबा/अव.बदल/आदेश/९२०/सन २०२०.- मी, विलास गावडे, उपनिबंधक, सहकारी संस्था, धुळे तालुका, धुळे महाराष्ट्र सहकारी संस्था अधिनियम, १९६० चे कलम १०२ अन्वये मला प्राप्त झालेल्या अधिकारांचा वापर करून पांझरा सहकारी गृहनिर्माण संस्था मर्यादित, कुसुंबे, तालुका जिल्हा धुळे या संस्थेच्या अवसायकपदी श्री. ए. बी. चव्हाण, लेखापरीक्षक, श्रेणी-१, अधीन विशेष लेखापरीक्षक, वर्ग-२, (पणन), सहकारी संस्था, धुळे यांचेऐवजी श्री. अमोल यंडाईत, मुख्य लिपिक अधीन उपनिबंधक, सहकारी संस्था, धुळे तालुका यांची नियुक्ती करीत आहे.

हा आदेश आज दिनांक ८ जुलै २०२० रोजी माझे सही-शिक्क्यानिशी देत आहे.

> विलास गावडे, उपनिबंधक, सहकारी संस्था, धुळे तालुका, धुळे.

धुळे, ८ जुलै २०२०.

### जिल्हा उपनिबंधक, सहकारी संस्था यांजकडून आदेश

क्रमांक वि-४/एनएसके/एनएसके/जीएनएल (ओ)/२४६/३६००/सन २०२०.- मी, गौतम बलसाणे, जिल्हा उपनिबंधक, सहकारी संस्था, नाशिक अधिसूचित करतो की, शिवराणा ॲग्रीकल्चर ॲन्ड मल्टीपर्पज डेव्हलमेंट को-ऑपरेटिव्ह सोसायटी लिमिटेड, नाशिक ही संस्था महाराष्ट्र सहकारी संस्था अधिनियम, १९६० चे कलम ९ (१) अन्वये नोंदणी झाल्याचे व कलम १२ (१) व महाराष्ट्र सहकारी संस्था नियम, १० (१) नुसार संस्थेचे वर्गीकरण सर्वसाधारण संस्था असून उपवर्गीकरण इतर संस्था असे करण्यात आल्याचे जाहीर करीत आहे.

गौतम बलसाणे, जिल्हा उपनिबंधक, सहकारी संस्था, नाशिक.

नाशिक, ३ ऑगस्ट २०२०.

#### आदेश

क्रमांक वि-४/एनएसके/एनएसके/जीएनएल (ओ)/२४७/३६९५/सन २०२०.- मी, गौतम बलसाणे, जिल्हा उपनिबंधक, सहकारी संस्था, नाशिक अधिसूचित करतो की, संस्कृती बहुउद्देशीय सहकारी संस्था मर्यादित, नाशिक, तालुका-जिल्हा नाशिक ही संस्था महाराष्ट्र सहकारी संस्था अधिनियम, १९६० चे कलम १ (१) अन्वये नोंदणी झाल्याचे व कलम १२ (१) व महाराष्ट्र सहकारी संस्था नियम, १० (१) नुसार संस्था असे करण्यात आल्याचे जाहीर करीत आहे.

गौतम बलसाणे,

जिल्हा उपनिबंधक, सहकारी संस्था, नाशिक.

नाशिक, ६ ऑगस्ट २०२०.

\_\_\_\_

### उपनिबंधक, सहकारी संस्था यांजकडून आदेश

क्रमांक वि-२/महिरावणी आ.वि.का./नों.रद्द आदेश/१८५७/सन २०२०. – मी, फयाज मुलाणी, उपनिबंधक, सहकारी संस्था, नाशिक, तालुका नाशिक, जिल्हा नाशिक मला प्राप्त झालेल्या अधिकारानुसार महिरावणी आदिवासी विविध कार्यकारी सेवा सहकारी संस्था मर्यादित, तळेगाव (जुनी), तालुका-जिल्हा नाशिक (अवसायनात) या संस्थेचा अवसायनाचा कालावधी समाप्त झालेला असल्याने महाराष्ट्र सहकारी संस्था अधिनियम, १९६० चे कलम १०९ अन्वये सदर संस्थेचे समापन करून महाराष्ट्र सहकारी संस्था अधिनियम, १९६० चे कलम २१ अन्वये महिरावणी आदिवासी विविध कार्यकारी सेवा सहकारी संस्था मर्यादित, तळेगाव (जुनी), तालुका-जिल्हा नाशिक, नोंदणी क्रमांक २०९/१९७६, दिनांक ८ नोव्हेंबर १९७६ या संस्थेची नोंदणी रद्द करीत आहे.

हिरावणी आदिवासी विविध कार्यकारी सेवा सहकारी संस्था मर्यादित, तळगाव (जुनी), तालुका-जिल्हा नाशिक या संस्थेवर महाराष्ट्र सहकारी संस्था नियम, ८९ (१७) नुसार प्रापक म्हणून श्री. सुनिल गांगुर्डे, सहकार अधिकारी (श्रेणी-१) अधीन उपनिबंधक, सहकारी संस्था, नाशिक तालुका, नाशिक यांची नेमणूक करीत आहे. त्यांनी कायद्यातील तरतुर्दींप्रमाणे संस्थेची मिळकत शासनास परत करण्यात यावी. मा. सहकार आयुक्त व निबंधक, सहकारी संस्था, महाराष्ट्र राज्य, पुणे यांचे कार्यालयाकडील जा. क्र. प्रशासन/प्रशासक/मानधन/२०११, दिनांक २९ नोव्हेंबर २०११ रोजीच्या परिपत्रकाप्रमाणे प्रशासक यांचे परिश्रमिक/मानधनाची ज्याप्रमाणे परिगणना करून परिश्रमिक दिले जाते. त्याप्रमाणे प्रापकाने त्यांचे कर्तव्य कालावधीचे परिश्रमिक संस्थेचे देणे दिल्यानंतर शिल्लक राहिलेल्या रकमेतून घेण्यात यावे.

संस्थेचे समापन व नोंदणी व रद्दची कार्यवाही झाली असली तरी नोंदणी रद्द केल्याचा तारखेपावेतो लेखापरिक्षण व इतर कार्यवाही संस्थेचे अवसायक यांनी पूर्ण करावयाची आहे.

सदरचा आदेश हा आज दिनांक ६ फेब्रुवारी २०२० रोजी माझे सही व शिक्क्यानिशी दिला आहे.

नाशिक, ३० जून २०२०.

### अंतिम आदेश

क्रमांक उनिना/नाशिक तालुका देखरेख संस्था/अवसायक बदल/ १०२/१०३/अंतिम आदेश/१८५९/सन २०२०. – महाराष्ट्र सहकारी संस्था अधिनियम, १९६० चे कलम १०२ (१) क, चे कलम १०३ (१) अन्वये मला प्राप्त अधिकारान्वये मी, फयाज मुलाणी, उपनिबंधक, सहकारी संस्था, नाशिक तालुका, नाशिक या आदेशान्वये नाशिक तालुका देखरेख सहकारी संस्था मर्यादित, नाशिक, तालुका-जिल्हा नाशिक या संस्थेवर श्री. आर. सी. गजरे, तत्कालीन अवसायक तथा सहकारी अधिकारी (श्रेणी-२) यांच्याऐवजी श्री. पी. जी. महाजन, सहकारी अधिकारी (श्रेणी-१) अधीन उपनिबंधक, सहकारी संस्था, नाशिक तालुका, नाशिक यांची अवसायक म्हणून नियुक्ती करण्यात येत आहे.

सदरचा आदेश आज दिनांक १ जुलै २०२० रोजी माझे सही-शिक्क्यानिशी दिला असे.

नाशिक, १ जुलै २०२०.

#### आदेश

क्रमांक लेखा/एनएसके/एनएसके/जीएनएल/एस/५९३१/१२९९/सन २०२०.- दि नाशिक बेरोजगार स्वयंरोजगार सहकारी संस्था मर्यादित, नाशिक, तालुका जिल्हा नाशिक ही संस्था सर्व्हें नंबर ५६९/८, प्लॉट नंबर ३, वासन ॲटोमोबाईलमागे, मुंबई नाका, नाशिक, तालुका-जिल्हा नाशिक या मिळकतीवर महाराष्ट्र सहकारी संस्था अधिनियम, १९६० चे कलम ९ (१) अन्वये नोंदविण्यात आली असून महाराष्ट्र सहकारी संस्था नियम, १९६१ चे नियम १० अन्वये संस्थेचे वर्गीकरण सर्वसाधारण संस्था असून उपवर्गीकरण इतर संस्था असे करण्यात आल्याचे जाहीर करीत आहे.

> **फयाज मुलाणी,** उपनिबंधक, सहकारी संस्था, नाशिक तालुका, जिल्हा नाशिक.

नाशिक, १ जून २०२०.

### प्रमुख जिल्हा व सत्र न्यायाधीश यांजककडून

#### आदेश

क्रमांक कार्यव्य/रजा/११०/सन २०२०.- श्री. एन. जी. शुक्ल, जिल्हा न्यायाधीश-१ व अतिरिक्त सन्न न्यायाधीश, श्रीगोंदा यांना दिनांक २८ जुलै २०२० ते दिनांक ६ ऑगस्ट २०२० रोजीपर्यंतची एकूण दहा दिवसांची अर्जित रजा याद्वारे कार्योत्तर मंजूर करण्यात येत आहे.

रजेवरून परत आल्यावर श्री. एन. जी. शुक्ल यांना जिल्हा न्यायाधीश-१ व अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश, श्रीगोंदा या पदी पुनर्नियुक्त करणेत येत आहे. तसेच वरीलप्रमाणे रजेच्या कालावधीत जिल्हा न्यायाधीश-१ व अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश, श्रीगोंदा या पदी पर्यायी इसमाच्या नेमणुकीची आवश्यकता नसल्याने सदरचे पद रिक्त ठेवण्यात आले होते.

श्री. एन. जी. शुक्ल, जिल्हा न्यायाधीश-१ व अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश, श्रीगोंदा यांचे वरीलप्रमाणे रजेच्या कालावधीत त्यांचे पदाचा अतिरिक्त कार्यभार श्री. आर. एम. गुंजीकर, जिल्हा न्यायाधीश-२ व सहायक सत्र न्यायाधीश, श्रीगोंदा यांचेकडे ठेवण्यात आलेला होता.

श्री. एन. जी. शुक्ल, जिल्हा न्यायाधीश-१ व अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश, श्रीगोंदा हे वर नमूद केलेल्या कालावधीत अर्जित रजेवर गेले नसते, तर ते जिल्हा न्यायाधीश-१ व अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश, श्रीगोंदा या पदी स्थानापन्न म्हणून काम करीत राहिले असते. अहमदनगर, १० ऑगस्ट २०२०.

### आदेश

क्रमांक कार्यव्य/रजा/३१/सन २०२०.- श्री. जी. व्ही. देशपांडे, ५ वे सहिदवाणी न्यायाधीश, विरष्ठ स्तर, अहमदनगर यांना दिनांक १९ ऑगस्ट २०२० ते दिनांक २१ ऑगस्ट २०२० रोजीपर्यंतची एकूण दहा दिवसांची अर्जित रजा याद्वारे कार्योत्तर मंजूर करण्यात येत आहे.

रजेवरून परत आल्यावर श्री. जी. व्ही. देशपांडे यांना ५ वे सहिंदवाणी न्यायाधीश, वरिष्ठ स्तर, अहमदनगर या पदी पुनर्नियुक्त करणेत येत आहे. तसेच वरीलप्रमाणे रजेच्या कालावधीत ५ वे सहिंदवाणी न्यायाधीश, वरिष्ठ स्तर, अहमदनगर या पदी पर्यायी इसमाच्या नेमणुकीची आवश्यकता नसल्याने सदरचे पद रिक्त ठेवण्यात येत आहे.

श्री. जी. व्ही. देशपांडे, ५ वे सहदिवाणी न्यायाधीश, वरिष्ठ स्तर, अहमदनगर यांचे वरीलप्रमाणे रजेच्या कालावधीत त्यांचे पदाचा अतिरिक्त कार्यभार श्रीती एम. बी. आत्तार, ६ वे सहदिवाणी न्यायाधीश, वरिष्ठ स्तर, अहमदनगर यांचेकडे ठेवण्यात येत आहे.

श्री. जी. व्ही. देशपांडे, ५ वे सहदिवाणी न्यायाधीश, वरिष्ठ स्तर, अहमदनगर यांचे न्यायालयातील वरील कालावधीतील प्रकरणांचा कार्यभार श्रीमती एम. बी. आत्तार, ६ वे सहदिवाणी न्यायाधीश, वरिष्ठ स्तर, अहमदनगर यांनी प्रथम सत्रातच पहावा. श्री. जी. व्ही. देशपांडे, ५ वे सहदिवाणी न्यायाधीश, वरिष्ठ स्तर, अहमदनगर यांचे न्यायालयातील संबंधित कर्मचारी यांनी प्रथम सत्रातच काम पहावे व संबंधित वकील व पक्षकार यांना याबाबत सुचित करावे.

श्री. जी. व्ही. देशपांडे, ५ वे सहदिवाणी न्यायाधीश, वरिष्ठ स्तर, अहमदनगर हे वर नमूद केलेल्या कालावधीत अर्जित रजेवर गेले नसते, तर ते ५ वे सहदिवाणी न्यायाधीश, वरिष्ठ स्तर, अहमदनगर या पदी स्थानापन्न म्हणून काम करीत राहिले असते. अहमदनगर, १७ ऑगस्ट २०२०.

#### आदेश

क्रमांक कार्यव्य/रजा/२२/सन २०२०.- श्री. एस. एम. बेलकर, तत्कालीन जिल्हा न्यायाधीश-१ व अतिरिक्त सन्न न्यायाधीश, नेवासा (सध्या सेवानिवृत्त) यांची दिनांक ७ मार्च २०२० व दिनांक ८ मार्च २०२० रोजीची एकूण दोन दिवसांची अर्जित रजा मुख्यालय सोडण्याच्या परवानगीसह याद्वारे कार्योत्तर मंजूर करण्यात येत आहे.

रजेवरून परत आल्यावर श्री. एस. एम. बेलकर यांना तत्कालीन जिल्हा न्यायाधीश-१ व अतिरिक्त सन्न न्यायाधीश, नेवासा (सध्या सेवानिवृत्त) या पदी पुनर्नियुक्त करणेत येत आहे. तसेच वरीलप्रमाणे रजेच्या कालावधीत तत्कालीन जिल्हा न्यायाधीश-१ व अतिरिक्त सन्न न्यायाधीश, नेवासा या पदी पर्यायी इसमाच्या नेमणुकीची आवश्यकता नसल्याने सदरचे पद रिक्त ठेवण्यात आले होते.

श्री. एस. एम. बेलकर, तत्कालीन जिल्हा न्यायाधीश-१ व अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश, नेवासा (सध्या सेवानिवृत्त) यांचे वरीलप्रमाणे रजेच्या कालावधीत त्यांचे पदाचा अतिरिक्त कार्यभार श्री. एस. एम. तापिकरे, तत्कालीन जिल्हा न्यायाधीश-२ व अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश, नेवासा (सध्या जिल्हा न्यायाधीश-१ व अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश, नेवासा) यांचेकडे ठेवण्यात आलेला होता.

श्री. एस. एम. बेलकर, तत्कालीन जिल्हा न्यायाधीश-१ व अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश, नेवासा (सध्या सेवानिवृत्त) हे वर नमूद केलेल्या कालावधीत अर्जित रजेवर गेले नसते, तर ते तत्कालीन जिल्हा न्यायाधीश-१ व अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश, नेवासा (सध्या सेवानिवृत्त) या पदी स्थानापन्न म्हणून काम करीत राहिले असते. अहमदनगर, २१ सप्टेंबर २०२०.

### आदेश

क्रमांक कार्यव्य/रजा/२२/सन २०२०.- श्री. एस. एम. बेलकर, तत्कालीन जिल्हा न्यायाधीश-१ व अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश, नेवासा (सध्या सेवानिवृत्त) यांची दिनांक ५ मे २०२० व दिनांक २१ मे २०२० रोजीची एकूण सतरा दिवसांची वैद्यकीय रजा याद्वारे कार्योत्तर मंजूर करण्यात येत आहे.

रजेवरून परत आल्यावर श्री. एस. एम. बेलकर यांना तत्कालीन जिल्हा न्यायाधीश-१ व अतिरिक्त सन्न न्यायाधीश, नेवासा या पदी पुनर्नियुक्त करणेत येत आहे. तसेच वरीलप्रमाणे रजेच्या कालावधीत तत्कालीन जिल्हा न्यायाधीश-१ व अतिरिक्त सन्न न्यायाधीश, नेवासा या पदी पर्यायी इसमाच्या नेमणुकीची आवश्यकता नसल्याने सदरचे पद रिक्त ठेवण्यात आले होते.

श्री. एस. एम. बेलकर, तत्कालीन जिल्हा न्यायाधीश-१ व अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश, नेवासा (सध्या सेवानिवृत्त) यांचे वरीलप्रमाणे रजेच्या कालावधीत त्यांचे पदाचा अतिरिक्त कार्यभार श्री. एस. एम. तापिकरे, तत्कालीन जिल्हा न्यायाधीश-२ व अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश, नेवासा (सध्या जिल्हा न्यायाधीश-१ व अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश, नेवासा) यांचेकडे ठेवण्यात आलेला होता.

श्री. एस. एम. बेलकर, तत्कालीन जिल्हा न्यायाधीश-१ व अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश, नेवासा (सध्या सेवानिवृत्त) हे वर नमूद केलेल्या कालावधीत अर्जित रजेवर गेले नसते, तर ते तत्कालीन जिल्हा न्यायाधीश-१ व अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश, नेवासा (सध्या सेवानिवृत्त) या पदी स्थानापन्न म्हणून काम करीत राहिले असते.

श्रीकांत ल. आणेकर.

प्रमुख जिल्हा व सत्र न्यायाधीश,

अहमदनगर.

### आदेश

क्रमांक बी-२/एमएच-२३१२/११८७/सन २०२०.- श्री. व्ही. एम. पथाडे, जिल्हा न्यायाधीश-१ व अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश, शहादा यांना दिनांक ३१ ऑगस्ट २०२० ते दिनांक ३ सप्टेंबर २०२० पावेतो अशी एकूण ४ दिवसांची अर्जित रजा याद्वारे कार्योत्तर मंजूर करण्यात येत आहे. तसेच दिनांक २९ ऑगस्ट २०२० रोजीच्या कार्यालयीन वेळेनंतर ते दिनांक ४ सप्टेंबर २०२० रोजीच्या कार्यालयीन वेळेपूर्वीपावेतो मुख्यालय सोडण्याची परवानगी मंजूर करण्यात येत आहे.

रजेवरून परत आल्यावर श्री. व्ही. एम. पथाडे यांना जिल्हा न्यायाधीश-१ व अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश, शहादा या पदी पुनर्नियुक्त करणेत येत आहे. तसेच वरीलप्रमाणे रजेच्या कालावधीत जिल्हा न्यायाधीश-१ व अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश, शहादा या पदी पर्यायी इसमाच्या नेमणुकीची आवश्यकता नसल्याने सदरचे पद रिक्त ठेवण्यात येत आहे.

वरीलप्रमाणे दिनांक २९ ऑगस्ट २०२० रोजीच्या कार्यालयीन वेळेनंतर ते दिनांक २ सप्टेंबर २०२० रोजीच्या कार्यालयीन वेळेपूर्वीपावेतोचे कालावधीत त्यांचे पदाचा न्यायिक कार्यभार श्री. ए. एस. भागवत, तदर्थ जिल्हा न्यायाधीश-१ व अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश, नंदुरबार यांनी आणि दिनांक २ सप्टेंबर २०२० रोजीच्या कार्यालयीन वेळेपूर्वीपासून ते दिनांक ४ सप्टेंबर २०२० रोजीच्या कार्यालयीन वेळेपूर्वीपावेतोचे कालावधीत त्यांचे पदाचा न्यायिक कार्यभार स्वाक्षांकित यांनी सांभाळला होता.

तसेच प्रशासकीय कार्यभार दिनांक २९ ऑगस्ट २०२० चे कार्यालयीन वेळेनंतर ते दिनांक ४ सप्टेंबर २०२० चे कार्यालयीन वेळेपूर्वीपावेतो श्री. आर. ए. शिंदे, जिल्हा न्यायाधीश-१ व अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश, शहादा यांनी सांभाळला होता.

महाराष्ट्र नागरी सेवा (वेतन) नियम, १९८१ चा नियम ३९ खालील टीप-२ अन्वये प्रमाणित करण्यात येते की, श्री. व्ही. एम. पथाडे, जिल्हा न्यायाधीश-१ व अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश, शहादा हे वर नमूद केलेल्या कालावधीत अर्जित रजेवर गेले नसते, तर ते जिल्हा न्यायाधीश-१ व अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश, शहादाया पदी स्थानापन्न म्हणून काम करीत राहिले असते.

प्रमोद एस. तरारे,

प्रमुख जिल्हा व सत्र न्यायाधीश,

नंदुरबार.

नंदुरबार, ८ सप्टेंबर २०२०.

अहमदनगर, २१ सप्टेंबर २०२०.

# BY I/c. DISTRICT JUDGE-1 AND ADDITIONAL SESSIONS JUDGE

#### Order

No. EST/3199/2020.— The District Judge-1 and Additional Sessions Judge, Nashik is pleased to pass the following order.

Earned leave for eight (8) days from 3rd July 2020 to 10th July 2020 with permission to leave headquarter with effect from 2nd July 2020 after office hours to 13th July 2020 before office hours is hereby granted as an *ex-post-facto* sanction to Smt. S. A. Lomte, Civil Judge, Junior Division and Judicial Magistrate, First Class, Manmad City.

Charge during the absence of Smt. S. A. Lomte, Civil Judge, Junior Division and Judicial Magistrate, First Class, Manmad City is kept with Shri. G. A. Ghule, Judicial Magistrate, First Class (Railways), Manmad.

Certified that Smt. S. A. Lomte would have continued to officiate in the post of Civil Judge, Junior Division and Judicial Magistrate, First Class, Manmad City if he had not proceeded on leave for the period from 3rd July 2020 to 10th July 2020 [Note 2 below Rule 39 (2) Maharashtra Civil Services (Pay) Rules, 1981].

Two days casul leave on 3rd July 2020 and 4th July 2020 are hereby cancelled.

S. S. NAIR,

I/c. District Judge-1 and Additional Sessions Judge, Nashik.

Nashik, 23rd July 2020.

### प्रभारी प्रमुख जिल्हा व सत्र न्यायाधीश यांजकडून आदेश

क्रमांक बी-१/३०४९/२०२०.- श्री. शेख जिहर अब्बास अबुबकर, तदर्थ जिल्हा न्यायाधीश-१ व सहायक सन्न न्यायाधीश, धुळे यांना दिनांक २१ सप्टेंबर २०२० ते दिनांक २५ सप्टेंबर २०२० पावेतो अशी ५ दिवसांची अर्जित रजा दिनांक २० सप्टेंबर २०२० (रविवार), दिनांक २६ सप्टेंबर २०२० (चौथा शनिवार) व दिनांक २७ सप्टेंबर २०२० (रविवार) रोजीचे सुट्टीस जोडून याद्वारे मंजूर करण्यात येत आहे. तसेच दिनांक १९ सप्टेंबर २०२० रोजीचे कार्यालयीन वेळेनंतरपासून ते दिनांक २८ सप्टेंबर २०२० रोजीचे कार्यालयीन वेळेपूर्वीपावेतो मुख्यालय सोडण्याची परवानगी मंजूर करण्यात येत आहे.

रजेवरून परत आल्यावर श्री. शेख जिहर अब्बास अबुबकर यांना तदर्थ जिल्हा न्यायाधीश-१ व सहायक सत्र न्यायाधीश, धुळे या पदी पुनर्नियुक्त करणेत येत आहे. तसेच वरीलप्रमाणे रजेच्या कालावधीत तत्कालीन जिल्हा न्यायाधीश-१ व अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश, धुळे या पदी पर्यायी इसमाच्या नेमणुकीची आवश्यकता नसल्याने सदरचे पद रिक्त ठेवण्यात येत आहे.

श्री. शेख जिहर अब्बास अबुबकर, तदर्थ जिल्हा न्यायाधीश-१ व सहायक सत्र न्यायाधीश, धुळे यांचे वरीलप्रमाणे रजेच्या कालावधीत त्यांचे पदाचा अतिरिक्त कार्यभार श्री. विलास वसंतराव गायकवाड, जिल्हा न्यायाधीश-६ व सहायक सत्र न्यायाधीश, धुळे यांचेकडे ठेवण्यात येत आहे.

महाराष्ट्र नागरी सेवा (वेतन) नियम, १९८१ चा नियम ३९ खालील टीप-२ अन्वये प्रमाणित करण्यात येते की, श्री. शेख जिहर अब्बास अबुबकर, तदर्थ जिल्हा न्यायाधीश-१ व सहायक सत्र न्यायाधीश, धुळे हे वर नमूद केलेल्या कालावधीत अर्जित रजेवर गेले नसते, तर ते तदर्थ जिल्हा न्यायाधीश-१ व सहायक सत्र न्यायाधीश, धुळे या पदी स्थानापन्न म्हणून काम करीत राहिले असते.

धुळे, १८ सप्टेंबर २०२०.

#### आदेश

क्रमांक बी-१/३१११/२०२०.- श्री. अद्वेत दत्तात्रय क्षिरसागर, जिल्हा न्यायाधीश-२ व अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश, धुळे यांना दिनांक २८ सप्टेंबर २०२० ते दिनांक ३० सप्टेंबर २०२० पावेतो अशी ३ दिवसांची अर्जित रजा याद्वारे मंजूर करण्यात येत आहे. तसेच दिनांक २८ सप्टेंबर २०२० रोजीचे कार्यालयीन वेळेपासून ते दिनांक १ ऑक्टोबर २०२० रोजीचे कार्यालयीन वेळेपूर्वीपावेतो मुख्यालय सोडण्याची परवानगी मंजूर करण्यात येत आहे.

रजेवरून परत आल्यावर श्री. अद्वैत दत्तात्रय क्षिरसागर यांना जिल्हा न्यायाधीश-२ व अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश, धुळे या पदी पुनर्नियुक्त करणेत येत आहे. तसेच वरीलप्रमाणे रजेच्या कालावधीत जिल्हा न्यायाधीश-२ व अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश, धुळे या पदी पर्यायी इसमाच्या नेमणुकीची आवश्यकता नसल्याने सदरचे पद रिक्त ठेवण्यात येत आहे.

श्री. अद्वेत दत्तात्रय क्षिरसागर, जिल्हा न्यायाधीश-२ व अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश, धुळे यांचे वरीलप्रमाणे रजेच्या कालावधीत त्यांचे पदाचा अतिरिक्त कार्यभार श्री. एजाज हुसैन सेयद, जिल्हा न्यायाधीश-३ व अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश, धुळे यांचेकडे ठेवण्यात येत आहे.

महाराष्ट्र नागरी सेवा (वेतन) नियम, १९८१ चा नियम ३९ खालील टीप-२ अन्वये प्रमाणित करण्यात येते की, श्री. अद्वैत दत्तात्रय क्षिरसागर, जिल्हा न्यायाधीश-२ व अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश, धुळे हे वर नमूद केलेल्या कालावधीत अर्जित रजेवर गेले नसते, तर ते जिल्हा न्यायाधीश-२ व अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश, धुळे या पदी स्थानापन्न म्हणून काम करीत राहिले असते.

### आदेश

क्रमांक बी-१/३११२/२०२०.- श्री. अद्वेत दत्तात्रय क्षिरसागर, जिल्हा न्यायाधीश-२ व अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश, धुळे यांना दिनांक १५ सप्टेंबर २०२० ते दिनांक १९ सप्टेंबर २०२० पावेतो अशी ५ दिवसांची परिवर्तीत रजा याद्वारे कार्योत्तर मंजूर करण्यात येत आहे.

रजेवरून परत आल्यावर श्री. अद्वेत दत्तात्रय क्षिरसागर यांना जिल्हा न्यायाधीश-२ व अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश, धुळे या पदी पुनर्नियुक्त करणेत येत आहे. तसेच वरीलप्रमाणे रजेच्या कालावधीत जिल्हा न्यायाधीश-२ व अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश, धुळे या पदी पर्यायी इसमाच्या नेमणुकीची आवश्यकता नसल्याने सदरचे पद रिक्त ठेवण्यात येत आहे.

श्री. अद्वेत दत्तात्रय क्षिरसागर, जिल्हा न्यायाधीश-२ व अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश, धुळे यांचे वरीलप्रमाणे रजेच्या कालावधीत त्यांचे पदाचा अतिरिक्त कार्यभार श्री. एजाज हुसैन सैयद, जिल्हा न्यायाधीश-३ व अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश, धुळे यांचेकडे ठेवण्यात येत आहे.

श्री. अद्वैत दत्तात्रय क्षिरसागर, जिल्हा न्यायाधीश-२ व अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश, धुळे यांनी रजेवरून परत आल्यावर ते कामावर रुजू होण्यास पात्र असल्याबद्दलचे वैद्यकीय अधिकाऱ्यांचे स्वास्थ्य प्रमाणपत्र सादर केलेले आहे.

महाराष्ट्र नागरी सेवा (वेतन) नियम, १९८१ चा नियम ३९ खालील टीप-२ अन्वये प्रमाणित करण्यात येते की, श्री. अद्वैत दत्तात्रय क्षिरसागर, जिल्हा न्यायाधीश-२ व अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश, धुळे हे वर नमूद केलेल्या कालावधीत परिवर्तीत रजेवर गेले नसते, तर ते जिल्हा न्यायाधीश-२ व अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश, धुळे या पदी स्थानापन्न म्हणून काम करीत राहिले असते.

### आदेश

क्रमांक बी-१/३११३/२०२०.- श्री. राजेश शिवाजीराव वानखेडे, दिवाणी न्यायाधीश, कनिष्ठ स्तर व न्यायदंडाधिकारी, प्रथम वर्ग, साक्री यांना दिनांक २८ सप्टेंबर २०२० ते दिनांक ३० सप्टेंबर २०२० पावेतो अशी ३ दिवसांची अर्जित रजा दिनांक २६ सप्टेंबर २०२० (चौथा शनिवार) व दिनांक २७ सप्टेंबर २०२० (रविवार) रोजीचे सुट्टीस जोडून याद्वारे मंजूर करण्यात येत आहे. तसेच दिनांक २५ सप्टेंबर २०२० रोजीचे कार्यालयीन वेळेनंतरपासून ते दिनांक १ ऑक्टोबर २०२० रोजीचे कार्यालयीन वेळेपूर्वीपावेतो मुख्यालय सोडण्याची परवानगी मंजूर करण्यात येत आहे.

रजेवरून परत आल्यावर श्री. राजेश शिवाजीराव वानखेडे यांना दिवाणी न्यायाधीश, कनिष्ठ स्तर व न्यायदंडाधिकारी, प्रथम वर्ग, साक्री या पदी पुनर्नियुक्त करणेत येत आहे. तसेच वरीलप्रमाणे रजेच्या कालावधीत दिवाणी न्यायाधीश, कनिष्ठ स्तर व न्यायदंडाधिकारी, प्रथम वर्ग, साक्री या पदी पर्यायी इसमाच्या नेमणुकीची आवश्यकता नसल्याने सदरचे पद रिक्त ठेवण्यात येत आहे.

श्री. राजेश शिवाजीराव वानखेडे, दिवाणी न्यायाधीश, कनिष्ठ स्तर व न्यायदंडाधिकारी, प्रथम वर्ग, साक्री यांचे वरीलप्रमाणे रजेच्या कालावधीत त्यांचे पदाचा अतिरिक्त कार्यभार श्री. राजु अशोक शिवरात्री, सहदिवाणी न्यायाधीश, कनिष्ठ स्तर व न्यायदंडाधिकारी, प्रथम वर्ग, साक्री यांचेकडे ठेवण्यात येत आहे.

महाराष्ट्र नागरी सेवा (वेतन) नियम, १९८१ चा नियम ३९ खालील टीप-२ अन्वये प्रमाणित करण्यात येते की, श्री. राजेश शिवाजीराव वानखेडे, दिवाणी न्यायाधीश, कनिष्ठ स्तर व न्यायदंडाधिकारी, प्रथम वर्ग, साक्री हे वर नमूद केलेल्या कालावधीत अर्जित रजेवर गेले नसते, तर ते दिवाणी न्यायाधीश, कनिष्ठ स्तर व न्यायदंडाधिकारी, प्रथम वर्ग, साक्री या पदी स्थानापन्न म्हणून काम करीत राहिले असते.

धुळे, २४ सप्टेंबर २०२०.

### आदेश

क्रमांक बी-२/३१२५/२०२०.- श्री. सुजित अंबादास राठोड, दिवाणी न्यायाधीश, किनष्ट स्तर व न्यायदंडाधिकारी, प्रथम वर्ग, दोंडाईचा यांना दिनांक २८ सप्टेंबर २०२० ते दिनांक १ ऑक्टोबर २०२० पावेतो अशी ४ दिवसांची अर्जित रजा दिनांक २६ सप्टेंबर २०२० (चौथा शनिवार), दिनांक २७ सप्टेंबर २०२० (रिववार) व दिनांक २ ऑक्टोबर २०२० (म. गांधी जयंती) रोजीचे सुट्टीस जोडून याद्वारे मंजूर करण्यात येत आहे. तसेच दिनांक २५ सप्टेंबर २०२० रोजीचे कार्यालयीन वेळेनंतरपासून ते दिनांक ३ ऑक्टोबर २०२० रोजीचे कार्यालयीन वेळेपूर्वीपावेतो मुख्यालय सोडण्याची परवानगी मंजूर करण्यात येत आहे.

रजेवरून परत आल्यावर श्री. सुजित अंबादास राठोड यांना दिवाणी न्यायाधीश, किनष्ठ स्तर व न्यायदंडाधिकारी, प्रथम वर्ग, दोंडाईचा या पदी पुनर्नियुक्त करणेत येत आहे. तसेच वरीलप्रमाणे रजेच्या कालावधीत दिवाणी न्यायाधीश, किनष्ठ स्तर व न्यायदंडाधिकारी, प्रथम वर्ग, दोंडाईचा या पदी पर्यायी इसमाच्या नेमणुकीची आवश्यकता नसल्याने सदरचे पद रिक्त ठेवण्यात येत आहे.

श्री. सुजित अंबादास राठोड, दिवाणी न्यायाधीश, कनिष्ठ स्तर व न्यायदंडाधिकारी, प्रथम वर्ग, दोंडाईचा यांचे वरीलप्रमाणे रजेच्या कालावधीत त्यांचे पदाचा अतिरिक्त कार्यभार श्री. संतोष लक्ष्मण वैद्य, दिवाणी न्यायाधीश, कनिष्ठ स्तर व न्यायदंडाधिकारी, प्रथम वर्ग, शिंदखेडा यांचेकडे सोपविण्यात येत आहे.

महाराष्ट्र नागरी सेवा (वेतन) नियम, १९८१ चा नियम ३९ खालील टीप-२ अन्वये प्रमाणित करण्यात येते की, श्री. सुजित अंबादास राठोड, दिवाणी न्यायाधीश, कनिष्ठ स्तर व न्यायदंडाधिकारी, प्रथम वर्ग, दोंडाईचा हे वर नमूद केलेल्या कालावधीत अर्जित रजेवर गेले नसते, तर ते दिवाणी न्यायाधीश, कनिष्ठ स्तर व न्यायदंडाधिकारी, प्रथम वर्ग, दोंडाईचा या पदी स्थानापन्न म्हणून काम करीत राहिले असते.

शैलेश रंगनाथ उगले, जिल्हा न्यायाधीश-१ व प्रभारी प्रमुख जिल्हा व सत्र न्यायाधीश,

धुळे.

धुळे, २५ सप्टेंबर २०२०.

# BY PRINCIPAL DISTRICT AND SESSIONS JUDGE

#### Order

No. EST/3333/2020.— Earned leave for three (3) days from 22nd July 2020 to 24th July 2020 suffixing holidays falling on 25th July 2020 and 26th July 2020 with permission to leave headquarter with effect from 21st July 2020 after office hours to 27th July 2020 before office hours is hereby granted to Shri. S. S. Jahagirdar, Civil Judge, Senior Division, Niphad.

Charge during the absence of Shri. S. S. Jahagirdar, Civil Judge, Senior Division, Niphad is kept with Shri. S. W. Ugale, 2nd Joint Civil Judge, Senior Division, Niphad.

Certified that Shri. S. S. Jahagirdar would have continued to officiate in the post of Civil Judge, Senior Division, Niphad if he had not proceeded on leave for the period from 22nd July 2020 to 24th July 2020 [Note 2 below Rule 39 (2) Maharashtra Civil Services (Pay) Rules, 1981].

Nashik, 7th August 2020.

#### Order

No. EST/3524/2020.— The Principal District and Sessions Judge, Nashik is pleased to pass the following order.

Earned leave for eight (8) days from 24th August 2020 to 31st August 2020 prefixing holidays falling on 22nd August 2020 and 23rd August 2020 and suffixing holidays falling on 1st September 2020 with permission to leave headquarter with effect from 21st August 2020 after office hours to 2nd September 2020 before office hours is hereby granted to Shri. V. S. Kulkarni, District Judge-1 and Additional Sessions Judge, Nashik.

Charge during the absence of Shri. V. S. Kulkarni, District Judge-1 and Additional Sessions Judge, Nashik is kept with Shri. J. P. Zapate, District Judge-2 and Additional Sessions Judge, Nashik.

Certified that Shri. V. S. Kulkarni would have continued to officiate in the post of District Judge-1 and Additional Sessions Judge, Nashik if he had not proceeded on leave for the period from 28th August 2020 to 1st September 2020 [Note 2 below Rule 39 (2) Maharashtra Civil Services (Pay) Rules, 1981].

Nashik, 21st August 2020.

#### Order

No. EST/3829/2020.— The Principal District and Sessions Judge, Nashik is pleased to pass the following order.

Earned leave for six (6) days from 29th June 2020 to 4th July 2020 prefixing holidays falling on 27th Jule 2020 and 28th June 2020 and suffixing Sunday falling on 5th July 2020 with permission to leave headquarter with effect from 26th June 2020 after office hours to 6th July 2020 before office hours is hereby granted to Shri. V. S. Kulkarni, District Judge-1 and Additional Sessions Judge, Nashik.

Charge during the absence of Shri. V. S. Kulkarni, District Judge-1 and Additional Sessions Judge, Nashik is kept with Shri. J. P. Zapate, District Judge-2 and Additional Sessions Judge, Nashik.

Certified that Shri. V. S. Kulkarni would have continued to officiate in the post of District Judge-1 and Additional Sessions Judge, Nashik if he had not proceeded on leave for the period

from 29th June 2020 to 4th July 2020 [Note 2 below Rule 39 (2) Maharashtra Civil Services (Pay) Rules, 1981].

Nashik, 14th September 2020.

### Order

No. EST/3855/2020.— The Principal District and Sessions Judge, Nashik is pleased to pass the following order.

Earned leave for three (3) days from 8th September 2020 to 10th September 2020 is hereby granted as an *ex post facto* sacntion to Shri. S. P. Naik-Nimbalkar, Ad hoc District Judge-2 and Additional Sessions Judge, Nashik.

Certified that Shri. S. P. Naik-Nimbalkar would have continued to officiate in the post of *Ad hoc* District Judge-2 and Additional Sessions Judge, Nashik if he had not proceeded on leave for the period from 8th September 2020 to 10th September 2020 [Note 2 below Rule 39 (2) Maharashtra Civil Services (Pay) Rules, 1981].

Charge during the absence of Shri. S. P. Naik-Nimbalkar, *Ad hoc* District Judge-2 and Additional Sessions Judge, Nashik was kept with Shri. J. P. Zapate, District Judge-1 and Additional Sessions Judge, Nashik on 8th September 2020, Shri. S. T. Pandey, District Judge-4 and Additional Sessions Judge, Nashik on 9th September 2020 and with Shri. M. S. Bodhankar, District Judge-6 and Additional Sessions Judge, Nashik on 10th September 2020.

### ABHAY S. WAGHWASE.

Principal District and Sessions Judge, Nashik.

Nashik, 15th September 2020.

ON BEHALF OF GOVERNMENT PRINTING, STATIONERY AND PUBLICATION, PRINTED AND PUBLISHED BY DIRECTOR, RUPENDRA DINESH MORE, PRINTED AT YERAWADA PRISON PRESS, PRISON COMPOUND, YERAWADA, PUNE-411 006 AND PUBLISHED AT DIRECTORATE OF GOVERNMENT PRINTING, STATIONERY AND PUBLICATIONS, 21-A, NETAJI SUBHASH ROAD, CHARNI ROAD, MUMBAI - 400 004.